बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

SANSKAR UJALA

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 92 | सोमवार 24 जुलाई 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

संस्कार उजाला

हिन्दी समाचार पत्र को आवश्यकता है विज्ञापन एंव खबर लाने वाले स्टाफ की। सम्पर्क करें

मो0-9456278011

'मणिपुर हिंसा पर देरी से आया पीएम मोदी का बयान', बीजेपी विधायक ने मुख्यमंत्री पर भी उठाए सवाल

नई दिल्ली। मणिपुर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक पाओलीनलाल हाओकिप ने पूर्वोत्तर राज्य में जातीय हिंसा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि 79 दिनों के बारे में भूल जाइए। इतनी बड़ी हिंसा पर प्रतिक्रिया में देरी के लिए एक सप्ताह भी लंबा समय है। आपको बता दें कि विधायक खुद कुकी-जोमी समुदाय से आते हैं। उनका मानना है कि पीएम मोदी की प्राथमिकताएं पूरी तरह से गलत हैं। साथ ही उन्होंने यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री की अमेरिका की यात्रा से पहले उन्होंने उन तक पहुंचने की कोशिश की थी, लेकिन सफल नहीं हो सके। न्यूजलॉन्ड्री को दिए एक इंटरव्यू में हाओकिप ने कहा, अंतरराष्ट्रीय संबंधों के महत्व को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है, लेकिन जहां लोग मारे जा रहे हैं उस मामले को सुलझाने पर भी ध्यान देना चाहिए। मानवता यही है, जिसकी कमी है। भाजपा विधायक ने आरोप लगाते हुए कहा, हमने जनता के प्रतिनिधि के रूप में प्रधानमंत्री से मिलने का समय मांगा था, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। हम आज तक उन्हें स्थिति की गंभीरता से अवगत कराने के अवसर का इंतजार कर रहे हैं। हाओकिप उन 10 कुकी विधायकों में शामिल हैं जिन्होंने एक पत्र में एन बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर आदिवासी समूह की रक्षा करने में गंभीर विफलता का आरोप लगाया था। उन्होंने प्रदेश में एक अलग प्रशासन की मांग की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि 3 मई 2023 को चिन-कुकी-मिजो-जोमी पहाड़ी आदिवासियों के खिलाफ बहुसंख्यक मैतेई लोगों द्वारा शुरू की गई हिंसा ने राज्य को विभाजित कर दिया है। उन्हें मणिपुर सरकार का मौन समर्थन प्राप्त है। विधायकों ने राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध की चार घटनाओं को सूचीबद्ध किया है।

इधर हाथ मिलाया, उधर पंजा लड़ाने की तैयारी; एमपी में कांग्रेस का खेल बिगाड़ने चली आप?

भोपाल। लोकसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस से हाथ मिला लिया है लेकिन मध्य प्रदेश में पार्टी अपने पुराने प्लान के तहत आगे बढ़ रही है। पार्टी ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अपने कैंपेन का आगाज कर दिया है। ऐसे में भाजपा, कांग्रेस के द्विपक्षीय सियासी रण में आप की एंट्री के बाद चुनाव त्रिकोणीय हो सकता है। इतना ही नहीं, लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की अगुआई वाले गुट 'INDIA' शामिल हुई आम आदमी पार्टी कांग्रेस के बड़े वोट शेयर भी काट सकती है। मध्य प्रदेश में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। आम आदमी पार्टी सूबे के चुनावी दंगल में एंट्री के लिए बेताब है। पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान बीते दिनों MP दौरे पर आये थे और यहाँ पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक और रैली की। दिल्ली में केंद्र के अध्यादेश पर कांग्रेस के समर्थन के बाद आप विपक्षी गुट का हिस्सा तो बन गई है लेकिन विधानसभा चुनावों को लेकर अपने पुराने प्लान पर ही चल रही है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में पार्टी अपने कैडर को मजबूत करने में भी जुटी हुई है। मध्य प्रदेश को छोड़कर छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की सरकार है ऐसे में आप इन दो राज्यों में कांग्रेस के सामने बड़ी चुनौती पेश कर सकती है। वहीं, मध्य प्रदेश में पार्टी चुनाव को त्रिकोणीय बनाकर कांग्रेस का बना बनाया खेल बिगाड़ सकती है।

कांग्रेस का खेल बिगाड़ सकती है आप

राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो मध्य प्रदेश में आप की एंट्री का डायरेक्ट असर कांग्रेस पर पड़ेगा। ऐसा भी संभव है कि आप जितनी सीटों पर जीत दर्ज करे या फिर जितने फीसदी वोट शेयर को हथियाती है उससे कांग्रेस को घाटा हो। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा है कि गुजरात में भाजपा को चुनौती देने के लिए उतरी आप ने कांग्रेस के ही वोट शेयर को काट लिया और जिन सीटों पर जीत दर्ज की उनमें से ज्यादातर सीटों पर पिछले चुनाव में कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। विश्लेषकों की मानें तो मध्य प्रदेश में आप

भाजपा को पूरी तरीके से चुनौती देने में कामयाब नहीं हो सकती है। ऐसे में आम आदमी पार्टी सूबे के विधानसभा को चुनाव को केवल त्रिकोणीय ही बना सकती है और इसका असर भाजपा से ज्यादा कांग्रेस पर पड़ने के आसार अभी से दिख रहे हैं। यहां तक कि अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान ने कांग्रेस के गढ़ माने जाने वाले ग्वालियर से ही चुनावी हुंकार भरी है।

अध्यादेश पर साथ लेकिन राज्यों में अलग-अलग प्लान

बीते दिनों, विपक्षी एकता के गुट INDIA में शामिल होने से पहले आप ने कांग्रेस से केंद्र के अध्यादेश पर अपना रुख साफ़ करने को कहा था। बेंगलुरु में महाजुटान से पहले कांग्रेस ने इसपर अपना बेशर्त समर्थन दे दिया। जिसके बाद AAP भी लोकसभा चुनाव में भाजपा कि अगुआई वाले NDA के खिलाफ गुट में शामिल हुई। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल न सिर्फ बेंगलुरु मीटिंग में पहुंचे बल्कि एकजुट होकर लोकसभा में भाजपा को चुनौती देने की बात भी कही। इसके बावजूद मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में पार्टी अपने पुराने प्लान को लेकर आगे बढ़ रही है। इसका ये मायने भी निकाला जा रहा है कि विपक्ष की एकजुटता में शामिल होकर 2024 की तैयारी में जुटी आप इससे पहले विधानसभा चुनावों में किसी भी प्रकार का गंठजोड़ नहीं करेगी। दरअसल मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में आप के चुनावी मैदान में उतरने की बात और कांग्रेस के खिलाफ भी चुनाव लड़ने का मामला एक प्रस्ताव से जुड़ा हुआ है। आप ने कांग्रेस को अलिखित प्रस्ताव दिया था कि अगर कांग्रेस दिल्ली और पंजाब में चुनाव न लाडे तो आप कांग्रेस शासित राज्यों में चुनावी रण में नहीं उतरेगी।

कूनो में मौत के बावजूद राजस्थान नहीं भेजे जा रहे चीते: सिंह

कोटा। राजस्थान के पूर्व मंत्री भरत सिंह कुंदनपुर ने मध्य प्रदेश में गुना जिले के कूनो नेशनल पार्क में चीतों की लगातार हो रही मौतों के बावजूद इन चीतों में से कुछ को राजस्थान में स्थानांतरित नहीं करने पर केन्द्र सरकार की आलोचना की है।

कोटा में सागांद विधायक श्री सिंह ने कहा कि अफ्रीकी देशों से कूनो नेशनल पार्क में लाए गए चीतों की लगातार हो रही मौतों में अब तो उच्चतम न्यायालय ने इस मसले पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं कि जब मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में लगातार चीतों की मौत हो रही है तो उनमें से कुछ को राजस्थान में क्यों नहीं स्थानांतरित कर दिया जाता। इसके लिए उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार से जवाब भी तलब किया है।

श्री सिंह ने कहा कि अफ्रीकी देशों से आए चीता विशेषज्ञों की टोली ने देश भर के विभिन्न अभयारण्यों में दौरा करने के बाद

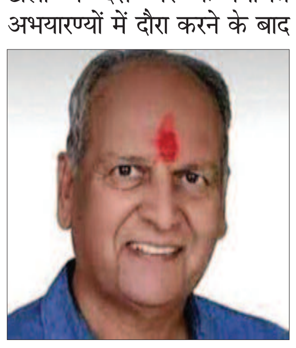

जिन अभयारण्य को चीते बसाने की दृष्टि से सर्वाधिक उपर्युक्त उपर्युक्त पाया था, उसमें मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व का दरा अभयारण्य क्षेत्र का 82 वर्ग किलोमीटर का हिस्सा भी शामिल था लेकिन राजनीतिक भेदभाव के चलते प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार ने भाजपा शासित मध्यप्रदेश में चीते बसाना उपर्युक्त समझा। सिंह ने कहा कि अफ्रीकी देशों से लाए गए चीतों में से 40 प्रतिशत की मौत हो गई है जबकि अभी वहां से चीजों को लाए गए एक साल का वक्त भी नहीं गुजरा है। उच्चतम न्यायालय ने इस मामले में केंद्र सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है जिस पर अगले महीने की पहली तारीख को सुनवाई होना है।

उल्लेखनीय है कि अफ्रीका से 20 चीते लाए गए थे और लाए जाने के बाद चार शावकों का जन्म कूनो में हुआ था जिनमें से तीन की मौत हो चुकी है जबकि कुछ अन्य चीते भी काल के गाल में समा चुके हैं।

तैयार हुआ आईटीपीओ कांप्लेक्स, यहां होगी जी-20 बैठक; 26 को पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। भारत इस साल 9 और 10 सितंबर से जी-20 बैठक की मेजबानी करने जा रहा है। इसके लिए दिल्ली में भव्य आईटीपीओ का रिडेवलपमेंट कार्य पूरा चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 26 जुलाई को इस कांप्लेक्स का उद्घाटन करेंगे। 123 एकड़ में फैले प्रगति मैदान में यह कांप्लेक्स बेहद भव्य और बड़ा है। यहां न सिर्फ बैठक, सम्मेलन और प्रदर्शनियां भी आयोजित होती हैं। पुनर्विकसित और आधुनिक आईईसीसी कांप्लेक्स दुनिया के शीर्ष 10 कन्वेंशन कांप्लेक्स में से एक है। IECC की भव्यता और बुनियादी ढांचे की विशालता बड़े पैमाने पर विश्व स्तरीय आयोजनों की मेजबानी करने की भारत की क्षमता का प्रमाण है। दिल्ली के प्रगति मैदान परिसर में आईटीपीओ जी-20 मीटिंग के दौरान बैठके, सम्मेलन और प्रदर्शनियां आयोजित होंगी। यह

कांप्लेक्स तैयार हो चुका है। 26 जुलाई को पीएम नरेंद्र मोदी इस कांप्लेक्स का उद्घाटन करेंगे। करीब 123 एकड़ में फैले प्रगति मैदान में करीब 1 लाख 31 हजार 510 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में 7 नए एग्जीबिशन हॉल और 7000 लोगों की क्षमता वाला 36 मीटर ऊंचा कन्वेंशन सेंटर बना दिया गया है। यह कांप्लेक्स सेंटर को वैश्विक स्तर पर मेगा सम्मेलनों, अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलनों और सांस्कृतिक समारोहों की मेजबानी के लिए खास बनाती है।

तीन पीवीआर थिएटरों के बराबर हॉल

आईईसीसी में एक बैठक के दौरान हॉल के अंदर हजारों लोग एक साथ मीटिंग कर सकते हैं। कुल मिलाकर इसका एक हॉल तीन पीवीआर थिएटरों के बराबर है। इसे एम्फीथिएयटर प्रदर्शनी, सांस्कृतिक शो और अन्य मनोरंजन कार्योक्रमों के लिए तैयार किया गया है। IECC में 3000 व्यक्तियों के एक साथ बैठने की क्षमता वाला एक शानदार एम्फीथिएटर भी है।

एक समय में 5500 गाड़ियों की पार्किंग

आईईसीसी में मेहमानों की सुविधा को खास तौर पर प्राथमिकता दी गई है। इसमें एक समय में 5500 से अधिक वाहन एक समय में पार्क हो सकते हैं। इसके लिए अंडरग्राउंड पार्किंग की व्यवस्था की गई हैताकि मेहमान बिना किसी परेशानी के कार्यक्रम स्थल तक पहुंच सकें।

मुझे पता है कि कैसे सीएम बनाना है और कैसे गिराना, कांग्रेस नेता का सिद्धारमैया पर बड़ा हमला

बेंगलुरु। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधान परिषद सदस्य बीके हरिप्रसाद का कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर निशाना साधा है। उनका एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में बीके हरिप्रसाद को यह कहते हुए सुना जा सकता है, मुझे पता है कि सीएम कैसे बनाना है और कैसे गिराना है। मैं किसी से भीख नहीं मांगता हूं।

मैं सीना तानकर खड़ा रहूंगा। मंत्री बनना अलग सवाल है। बीके हरिप्रसाद को कर्नाटक कैबिनेट में शामिल नहीं किया गया है। वह शुक्रवार को बेंगलुरु में बिलवा और एडिगा नेताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सीएम सिद्धारमैया को चेतावनी देते हुए कहा कि वह जानते हैं कि सीएम को कैसे चुनना और हटाना है। कांग्रेस एमएलसी ने कहा, सिद्धारमैया पिछड़े वर्ग से हैं। हमने 2013 में समर्थन दिया था, क्योंकि हम चाहते थे कि सभी एकजुट रहें। हरिप्रसाद ने यह भी आरोप लगाया कि राजनीतिक रूप से बिलावा और एडिगा समुदाय आगे नहीं आ पा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि वे किसी की साजिश का शिकार हो रहे हैं। आपको बता दें कि बीके हरिप्रसाद और सिद्धारमैया दोनों ही ओबीसी जाति से हैं। हरिप्रसाद एडिगा समुदाय से हैं, जबकि सीएम सिद्धारमैया कुरुबा समुदाय से आते हैं। शनिवार को वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए बीके हरिप्रसाद ने कहा कि वह नाराजगी के बारे में बात नहीं करते हैं और उन्होंने जो कहा है उसे सच मानते हैं। उन्होंने शनिवार को बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, मैंने जो भी कहा है, मैं उसे वापस नहीं लूंगा। मैंने जो कहा है, मैं उस पर कायम रहूंगा। अगर मैंने इसे नहीं कहा है तो यह मेरा शब्द नहीं हैं। अगर मैंने यह कहा है तो मैं अपने शब्द से बंधा रहूंगा।

दिल्ली में 6 दिन बारिश का अलर्ट, यमुना में फिर बाढ़ की आहट से फूले हाथ-पांव

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर यमुना नदी में आ रहे उफान के बीच मौसम विभाग के पूर्वानुमान ने दिल्लीवासियों की टेंशन और बढ़ा दी है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को अधिकतम तापमान 37 और न्यूनतम 29 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। अगले छह दिन बूंदाबांदी की संभावना है। फिलहाल तेज बारिश की उम्मीद बेहद कम है। 24 जुलाई के बाद से तापमान में कुछ कमी आ सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा है। वहीं, इस बीच दिल्ली में यमुना नदी अब खतरे के निशान को पार कर गई है। रविवार सुबह 6 बजे ओल्ड

यमुना ब्रिज पर जलस्तर 205.75 मीटर दर्ज किया गया। दिल्ली में यमुना में खतरे का निशान 205.33 मीटर पर है। दिल्ली में बीते कुछ दिनों से बारिश नहीं होने के चलते तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। शुक्रवार के मुकाबले शनिवार को तापमान कुछ कम रहा, लेकिन उमस अधिक होने के कारण दिनभर लोग गर्मी से परेशान रहे। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में अगले कुछ दिन गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम है। वहीं, हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से यमुना में लाखों क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद एक बार फिर बाढ़ की आहट होने लगी है। इसको लेकर अधिकारियों और लोगों के हाथ-पैर फूल गए हैं। आशंका है कि रविवार सुबह तक जलस्तर में और ज्यादा इजाफा हो जाएगा और नदी से सटे इलाकों में पानी घुस जाएगा। दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में अलर्ट घोषित कर दिया गया है। तीनों प्रदेशों की सरकारों ने यमुना से सटी सभी चौकियों पर निगरानी बढ़ा दी है। खासकर, दिल्ली को खतरा ज्यादा हो सकता है क्योंकि, यहां इलाके नीचे हैं और उनमें जलस्तर बढ़ते ही पानी घुस जाता है। पिछले दिनों आई बाढ़ से लोग अभी उबर भी नहीं पाए हैं कि उन्हें फिर से चिंता सताने लगी हैं। उधर, अधिकारियों ने भी निगरानी बढ़ा दी है और लोगों से अपील की है कि वह यमुना किनारे न जाएं। आपात स्थिति से निपटने के लिए दिल्ली में नावों से चौकसी बरती जा रही है। दिल्ली सरकार ने कहा कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है।

पी चिदंबरम ने माना बिहार-बंगाल और राजस्थान में हुए महिलाओं के खिलाफ अपराध

नई दिल्ली। कांग्रेस के दिग्गज नेता पी चिदंबरम ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के द्वारा लगाए गए उन आरोपों को स्वीकार किया कि बिहार, पश्चिम बंगाल और राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं हुई हैं। लेकिन उन्होंने मणिपुर में जारी हिंसा से तुलना करने के लिए केंद्र सरकार पर हमला भी बोला है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर द्वारा लगाए आरोपों के बाद चिदंबरम ने एक के बाद एक कई ट्वीट किए हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा था कि राजस्थान, पश्चिम बंगाल और बिहार जैसे विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराधों की एक लंबी सूची है, लेकिन वे मणिपुर की घटना पर राजनीति कर रहे हैं। नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अनुराग ठाकुर ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित विपक्ष के तमाम नेताओं की आलोचना की। उन पर गैर-भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों पर चुप रहने का आरोप लगाया। अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाया, पिछले चार वर्षों में राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ अपराध के एक लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। राजस्थान में महिलाओं पर यौन उत्पीड़न से संबंधित कुल 33,000 मामले हैं। अनुराग

ठाकुर पर पलटनार करते हुए ट्विटर पर चिदंबरम ने पूछा, मणिपुर की स्थिति की तुलना बिहार, पश्चिम बंगाल और राजस्थान की स्थिति से कैसे की जा सकती है? उन्होंने, आइए मान लें कि बिहार, पश्चिम बंगाल और राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं हुईं। यह मणिपुर में जारी और अनवरत हिंसा को कैसे माफ करता है? क्या घाटी में कोई कुकी बचा है? क्या चुराचांदपुर और मणिपुर के अन्य पहाड़ी जिलों में कोई मेइती बचा है? चिदंबरम ने कहा कि अगर रिपोर्ट सच है तो मणिपुर में जातीय सफाया लगभग पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा, मणिपुर में संवैधानिक सरकार का पतन हो गया है। मुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों का आदेश उनके घरों और कार्यालयों से आगे नहीं चलता है। केंद्र सरकार न केवल अक्षम और पक्षपातपूर्ण रही है, बल्कि तुलना कर खुद को पर्दे के पीछे छिपती है। यह संवेदनहीन और क्रूर बात है। यदि बिहार, पश्चिम बंगाल और राजस्थान में कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता है, तो निश्चित रूप से राज्य सरकारों को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दें, लेकिन इससे मणिपुर में हो रही बर्बरता को माफ नहीं किया जा सकता। मणिपुर की सरकार गिर गई है। भारत सरकार कोमा में है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और अनुराग ठाकुर ने राजस्थान में अपने मंत्री को उनके राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध का मुद्दा उठाने के बाद बर्खास्त करने के लिए कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सोनिया गांधी और राहुल गांधी के निर्देश पर किया गया है।

अभी और कितना जलेगा मणिपुर

रमेश सर्राफ धमोरा

विपक्षी दलों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो हमेशा शांति व भाईचारे की बातें करते हैं। वह पिछले तीन महीने से मणिपुर को लेकर चुप क्यों है। प्रधानमंत्री मोदी को मणिपुर की हिंसा को रोकने के लिए मणिपुर का दौरा कर वहां के लोगों से बात करनी चाहिए। उन्हें विश्वास देना चाहिए कि केंद्र सरकार वहां के लोगों के अधिकारों में किसी भी तरह की कटौती नहीं होने देगी। गृह मंत्री अमित शाह मई महीने में मणिपुर का दौरा कर विभिन्न समुदायों के लोगों से मिल चुके हैं। लेकिन उनके दौरे का मणिपुर में शांति बहाली के दिशा में कोई प्रभाव नजर नहीं आ रहा है।

मणिपुर देश के पूर्वोत्तर में स्थित एक महत्वपूर्ण राज्य है। जिसकी सीमा पड़ौसी देश म्यांमार से लगती है। पिछले 3 महीनों से मणिपुर राज्य अंदरूनी हिंसा से जूझ रहा है। यहां की आबादी के दो प्रमुख समुदाय मैतई व कुकी जनजाति के मध्य जातीय संघर्ष छिड़ा हुआ है। जिसमें अब तक सरकारी आंकड़ों के अनुसार 160 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है व 450 लोग घायल हो चुके हैं। तीन महीने बीत जाने के बाद भी आपसी संघर्ष रुकने का नाम नहीं ले रहा है। मणिपुर में 2017 से भाजपा के एन बीरेन सिंह मुख्यमंत्री है। लेकिन इस समय एन बीरेन सिंह की सरकार वहां की हिंसा पर नियंत्रण करने पर पूरी तरह से विफल साबित हो रही है। हर दिन हो रही आपसी मारकाट के चलते मणिपुर का जनजीवन पूरी तरह से ठप्प हो गया है।

हाल ही में एक पुरानी घटना का वीडियो सामने आया था। जिसमें कुछ महिलाओं के साथ मैतई समुदाय के लोगों ने बलात्कार कर उनको नंगा घुमाया था। इस घटना के सामने आने के बाद पूरा देश खुद को शर्मसार महसूस कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस घटना पर स्वतः प्रसंज्ञान लेते हुए केंद्र व राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि मणिपुर में शांति बहाली की दिशा में त्वरित कार्यवाही की जाए। विपक्षी दलों के नेता लंबे समय से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर रहे हैं।

प्रदेश में चल रही अशांति के चलते मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह कुछ समय पूर्व राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपने जा रहे थे तो रास्ते में महिलाओं के समूह ने एकत्रित होकर उनके इस्तीफे को छीनकर फाड़ दिया था। विपक्ष द्वारा उस घटना को सरकार द्वारा प्रायोजित घटना बताई जा रही है। वही उस घटना के बाद मुख्यमंत्री ने कहा था कि वह प्रदेश को आपसी संघर्ष की आग में जलता हुआ छोड़कर अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोडेगें।

सुप्रीम कोर्ट के प्रसंज्ञान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मणिपुर की घटनाओं की निंदा करते हुए गहरा दुख प्रकट किया है। उन्होने कहा किसी भी अपराधी को बक्सा नहीं जाएगा। मणिपुर की पुलिस भी आपसी जातीय गुटों में बंट चुकी है। पुलिस के जवान पुलिस थानों से आधुनिक हथियार छीनकर एक दूसरे के खिलाफ उपयोग कर रहें हैं। राज्य सरकार शांति बहाली की प्रक्रिया में पूरी तरह असफल रही है। ऐसे में केंद्र सरकार को त्वरित कार्यवाही करते हुए मणिपुर में शांति बहाली हो इस दिशा में तेजी से काम करना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वयं आगे आकर सभी विपक्षी दलों के नेताओं से मणिपुर की स्थिति को लेकर चर्चा कर उनके सुझाव लेने चाहिए। मणिपुर से म्यांमार की 350 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा लगती है। जिसके ज्यादातर हिस्से में किसी तरह की फेंसिंग नहीं होने के कारण लोगों का बिना किसी डर के आना जाना लगा रहता है। म्यांमार में सेना द्वारा तख्ता पलटने के बाद बड़ी संख्या में वहां से शरणार्थियों ने पलायन कर मणिपुर में घुसपैठ कर ली है। जिससे भी मणिपुर की स्थिति और अधिक खराब हो गयी है। म्यांमार से आने वाले शरणार्थियों का मणिपुर के कुकी लोगों के साथ जुड़ाव होने के चलते मैतई लोगों में भय है कि शरणार्थियों के कारण कुकी लोगों की आबादी बढ़ने से वह बहुसंख्यक बन जाएंगे।

मणिपुर की आबादी करीब 38 लाख है। यहां तीन प्रमुख समुदाय मैतेई, कुकी और नगा है। मैतई ज्यादातर हिंदू हैं। कुकी-नगा ईसाई हैं व एसटी वर्ग में आते हैं। मैतई आबादी करीब 55 प्रतिशत है जो इम्फाल घाटी में रहते हैं। वहीं कुकी-नगा आबादी करीब 45 प्रतिशत है। जो ज्यादातर पहाड़ों में रहते हैं। मैतई समुदाय ने मणिपुर हाईकोर्ट में याचिका लगाकर उन्हें भी जनजाति का दर्जा देने की मांग की थी। उनकी दलील थी कि 1949 में मणिपुर का भारत में विलय होने से पहले उन्हें जनजाति का दर्जा मिला हुआ था। इसके बाद हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से सिफारिश की थी कि मैतेई को अनुसूचित जनजाति में शामिल किया जाए। नगा-कुकी दोनों जनजाति मैतई समुदाय को आरक्षण देने के विरोध में हैं। आदिवासी समूहों को डर है कि यदि मैतई को विशेष दर्जा मिलता है तो उनका पहाड़ी क्षेत्रों पर भी कब्जा हो जाएगा। इनका कहना है कि राज्य की 60 में से 40 विधानसभा सीट पहले से मैतई बहुल इम्फाल घाटी में हैं। ऐसे में मैतई को एसटी का आरक्षण मिलने से उनके अधिकारों का बंटवारा होगा। मणिपुर के 60 में से 40 विधायक मैतई और 20 विधायक नगा-कुकी जनजाति से हैं। अब तक 12 में से दो ही मुख्यमंत्री नगा, कुकी जनजाति से रहे हैं।

मैतई और कुकी कि अलग-अलग संस्कृति और परंपरा है। विवाद के मूल कारण पहाड़ी बनाम घाटी की पहचान का संघर्ष और समान विकास नहीं होना है। मैतई राजनीतिक प्रभुत्व वाला समुदाय है जिनके कारण राज्य का विकास घाटी तक ही सीमित है। सरकारी नौकरियों में भी मैतई समुदाय का प्रभुत्व अधिक है। राज्य के कानून के कारण मैतई समुदाय के लोग पहाड़ों में जमीन नहीं खरीद सकते हैं। जबकि कुकी सहित अन्य जनजाति समूह के लोग राज्य के किसी भी हिस्से में जमीन खरीद सकते हैं। इसी कारण से मैतई लोगों को लगता है कि राज्य के कानून में जनजातियों को उनकी आबादी की तुलना में अधिक लाभ प्रदान किए गए हैं।

मणिपुर में चल रहे आपसी जाति युद्ध को समाप्त करने के लिए केंद्र सरकार को मणिपुर के सभी समुदायों में विश्वास पैदा करना होगा। केंद्र सरकार को वहां के लोगों को यह बताना होगा कि किसी भी जाति, धर्म, समुदाय के लोगों के साथ भेदभाव नहीं होगा। उनके अधिकारों का किसी भी सूरत में हनन नहीं होने दिया जाएगा। केंद्र सरकार के बड़े नेताओं को मणिपुर जाकर शांति बहाली के प्रयास करने चाहिए।

आज मणिपुर में हिंसा की आग इतनी तेज हो गई है कि कोई भी राजनीतिक दल या नेता दिल्ली में बैठकर मणिपुर में शांति बहाल नहीं कर सकता है। अब तो मणिपुर के पड़ोसी राज्यों के मुख्यमंत्री भी मणिपुर में चल रही हिंसा को लेकर चिंता जाहिर करने लगे हैं। उन्हें भी डर है कि यदि मणिपुर में भड़की हिंसा पर शीघ्र ही काबू नहीं पाया गया तो धीरे-धीरे उसका असर पड़ोसी राज्यों के लोगों पर भी पड़ने लगेगा। जिससे वहां भी कानून व्यवस्था की स्थिति व्याप्त हो सकती है।

विपक्षी दलों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो हमेशा शांति व भाईचारे की बातें करते हैं। वह पिछले तीन महीने से मणिपुर को लेकर चुप क्यों है। प्रधानमंत्री मोदी को मणिपुर की हिंसा को रोकने के लिए मणिपुर का दौरा कर वहां के लोगों से बात करनी चाहिए। उन्हें विश्वास देना चाहिए कि केंद्र सरकार वहां के लोगों के अधिकारों में किसी भी तरह की कटौती नहीं होने देगी। गृह मंत्री अमित शाह मई महीने में मणिपुर का दौरा कर विभिन्न समुदायों के लोगों से मिल चुके हैं। लेकिन उनके दौरे का मणिपुर में शांति बहाली के दिशा में कोई प्रभाव नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में प्रधानमंत्री को सामने आकर प्रदेश में शांति बहाली की प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी तभी मणिपुर में शांति बहाली हो पाएगी।

संपादकीय

त्वरित न्याय जरूरी

महिलाओं पर यौन हमलों से वीड़ियो वायरल होने के बाद मणिपुर के हालात दुनिया के सामने आ चुके हैं। मैतई व कुकी समुदाय के बीच राज्य में हिंसक संघर्ष जारी है। इस खौफनाक वीड़ियो पर लोगों के गुस्से के बाद मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने मीड़िया में बयान दिया कि ऐसे सैकड़ों मामले और भी हुए हैं। यह घटना चार मई की बताई जा रही है। जहां दो महिलाओं के कपड़े. उतार कर सड़क पर दौड़ाया ही नहीं गया बल्कि उनके साथ बलात्कार भी हुआ। जिसकी 18 मई को एफआईआर दर्ज की गई। खबरें कह रही हैं, खास जातीय समूह की महिलाओं का चुन-चुन कर बलात्कार किया जा रहा है। वीड़ियो फैलने के बाद गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उनका हृदय पीड़ा से भरा हुआ है। 65 दिनों बाद पहली बार उन्होंने इस घटना पर चुप्पी तोड़ी। प्रधानमंत्री का यह कहना कि देश की बेइज्जती हो रही है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने भी बाद में यह जोड़ा कि वे दोषियों को फांसी की सजा दिलवाएंगे। दरिंदगी भरे इस वीड़ियो को देखते ही जनता गुस्से से फूट पड़ी। लोगों ने इस पर न सिर्फ नाराजगी व्यक्त की बल्कि सरकार की तरफ से हो रही कोताही पर भी अनाप-शनाप बातें कीं। दरिंदे जिस तरह युवती के अंगों को सरेआम नोच-खसोट रहे हैं, उसे देखकर रोंगटे खड़े. हो जाते हैं। बलवा हो या युद्ध, महिलाओं को इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। लेकिन हैरत हो रही है कि केंद्र सरकार द्वारा इस गंभीर स्थिति पर लगातार ढुल्लमुल रवैया अख्तियार किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा बताई गइं सैकड़ों भुक्तभोगी पीड़िताओं को न्याय दिलाने के लिए कौन आगे आएगा? इतनी फजीहत के बाद चार आरोपित ही पुलिस की पकड़. में आए हैं। उन खूंखार दरिंदों व बलवाइयों को आखिर जल्द-से-जल्द गिरफ्त में कैसे लाया जाएगा। हकीकत है कि यौन हिंसा की शिकार औरतें इस दर्द से ताउम्र नहीं निकल पातीं। उस पर इस तरह की जघन्य पीड़ा झेलने के बाद उन्हें सामान्य जीवन की तरफ कैसे लौटाया जा सकेगा। संसद का सत्र चालू होते ही इस मामले पर विपक्ष विफर गया, जिस पर बात करने की बजाए तीन दिन के लिए उसे स्थगित करना, घटना से ध्यान भटकाना है। यह घटना कतई आम नहीं है। इस जघन्यता पर त्वरित संज्ञान लेना होगा। इससे अंतरराष्ट्रीय पटल पर ही हमारी छवि नहीं धूमिल हो रही बल्कि महीनों से मचे उपद्रव के प्रति हो रही लापरवाही भी जाहिर हो रही है।

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक से हो

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी। अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई।

सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया। सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को ऐसे मिटाया जाता है? क्या अंधेरा ऐसे मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

काशी में मंदिर प्रमुखों का महाकुंभ, स्मार्ट टेंपल की तैयारियां

सनत जैन

काशी विश्वनाथ की नगरी वाराणसी में 3 दिन का इंटरनेशनल टेंपल कन्वेंशन का सम्मेलन शुरू हो गया है। इसमें देश एवं विदेशों के बड़ी संख्या में मंदिर प्रबंधक शामिल हुए है। अमेरिका ब्रिटेन मलेशिया और कनाडा सहित 32 देशों के मंदिर प्रबंधकों को भी इस सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है।

मंदिरों में किस तरह की व्यवस्था हो मंदिरों के धन का उपयोग किस तरह से हो, छोटे शहरों और गांवों में जो मंदिर स्थापित हैं, उनका कैसे जीर्णोद्धार कर भव्य स्वरुप दिया जाए, मंदिरों से स्वास्थ्य सेवाओं और लंगर इत्यादि को चलाने तथा गरीब बच्चों की पढ़ाई की दिशा में मंदिरों में क्या प्रबंध किए जा सकते हैं, इस संबंध में विचार किया जा रहा है। इस सम्मेलन की शुरूआत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत के दीप प्रज्वलन से शुरू हुई। मोहन भागवत ने मंदिरों को राष्ट्रीय एकता का सूत्रधार बताते हुए मंदिरों को उपासना सेवा और भारतीय कला का केंद्र बनाने की आवश्यकता जताई। राजनीतिक क्षेत्रों में काम करने वाले नेताओं को विशेष रूप से हिंदू धर्म की रक्षा में जुटे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को दुनिया भर के मंदिरों में 3.28 लाख करोड़ रुपए की जो आय हो रही है, उसके के माध्यम से हिंदुत्व को किस तरीके से एक बेहतर धर्म के रूप में स्थापित किया जाए। इसके लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिन्दू धर्मायजनों को एक मंच पर लाने की तैयारी है। बिना चमत्कार के कोई नमस्कार नहीं करता है। अब मंदिरों में ऐसा क्या चमत्कार हो, कि सब लोग नमस्कार करने के लिए विवश हों। इसके लिए मंदिरों को स्मार्ट मंदिर के रूप में स्थापित करने, उनको जनसाधारण के सरोकार से जोड़ने, भगवान और देवी देवताओं के चमत्कारों के माध्यम से मंदिरों के चमत्कार को जनसाधारण तक पहुंचाने की मुहिम के रूप हो। इस सम्मेलन में 10 देशों के प्रतिनिधि वाराणसी पहुंचे हैं। 22 देशों की सहभागिता डिजिटल माध्यम से इस सम्मेलन में हो रही है। भारत सहित 57 देशों में स्थापित 9000 से ज्यादा मंदिरों का डाटाबेस संघ ने तैयार किया है। इस आयोजन को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड से भी जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। भारत के सबसे ज्यादा धनी तिरुमाला मंदिर का सालाना बजट 4400 करोड रुपया है। तिरुपति मंदिर ही एकमात्र भारत का ऐसा मंदिर है। जहां पर 7000 कर्मचारी काम करते हैं। मंदिर द्वारा शैक्षणिक गतिविधियां संचालित की जाती हैं। मंदिर में स्वास्थ्य और वैदिक अध्ययन इत्यादि की सुविधाएं हैं। तिरुपति मंदिर का 17000 करोड़ रुपए का निवेश बैंकों में है। इसी तरह से पद्मनाभ मंदिर भारत के सबसे धनी मंदिर की सूचियों में शामिल है। इन मंदिरों कि आय और इनकी ताकत को लेकर एक नए राजनैतिक समीकरण की शुरूआत भारत और दुनिया के देशों में होने जा रही है। इसकी अगुवाई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कर रहा है। उसका राजनीतिक एजेंडा भी साथ-साथ चलता है। इस मुहिम में कोई शंकराचार्य का धमार्चार्य शामिल नहीं है। मंदिर के प्रबंधक संघ छत के नीचे आने के लिए सहमत होते हैं या नहीं। इसको लेकर भी सम्मेलन में जो प्रबंधक आए हुए हैं, वह इस तरह की पहल से असहमत हैं। पिछले कई वर्षों में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों का मंदिरों की व्यवस्था और मंदिरों की आय को लेकर जो हस्तक्षेप सरकारों द्वारा किया जा रहा है। उसे मंदिर प्रबंधक स्वीकार नहीं कर रहे हैं। जगह-जगह पर धार्मिक आधार पर चमत्कारी मंदिर तैयार हो जाएंगे, तो जिन मंदिरों की चमत्कारिक पौराणिक प्रतिष्ठा है, उनकी आय भी आगे चलकर प्रभावित हो सकती है। मंदिर प्रबंधकों की स्वायत्तता और स्वतंत्रता भी खतरे में पड़ सकती है। इसको लेकर भी जो मंदिर प्रबंधक वाराणसी पहुंचे हैं। उनके बीच में तरह-तरह की आशंकाएं देखने को मिल रही हैं। मंदिरों में जनता अपनी श्रद्धा और भक्ति के साथ जो पैसा दान करती है। निश्चित रूप से उसका उपयोग आम जनों के लिए होना ही चाहिए। जितने भी भगवान पौराणिक हिंदू मान्यताओं में हैं। उन्होंने जन कल्याण के लिए अपना सब कुछ छोड़कर जन कल्याण के लिए काम किया। उन्होंने जंगलों में तपस्या की। खुद कष्ट सहे, भक्तों के कष्ट दूर किये। जिसके कारण वह भक्तों के भगवान बन पाए। इस कलयुग में जिस तरह से मंदिरों में बैठे हुए भगवानों की मूर्तियों को सोने चांदी और बड़े-बड़े महलों में रहने के लिए विवश किया जा रहा है, उससे ईश्वर की छवि में भी विपरीत असर पड़ रहा है। जब भारत में स्मार्ट मंदिर बनेंगे, उन में घुसने वाले लोग धनी मानी होंगे। गरीबों भक्तों को दर्शन करने में कठिनाई होगी। उन्हें लाइने लगाकर दर्शन करने के लिए विवश किया जाएगा। वहीं धनी मानी लोग दान और पैसे देकर भगवान के तुरंत दर्शन कर पाएंगे। इससे भक्तों की श्रद्धा में भी कमी आने से कोई रोक नहीं पायेगा। आस्था और श्रद्धा लाखों-करोड़ों गरीब भक्तों की होती है। धनवान लोग भगवान के दर्शन करने के लिए जिस तरह से अपने धन और ऐश्वर्य का प्रदर्शन करते हैं। सनातन संस्कृति के अनुसार हमारे भगवान उनकी भक्ति को स्वीकार भी नहीं करते हैं। क्योंकि उसमें अहंकार होता है। भक्ति में अहंकार का कोई स्थान नहीं है। पहली बार देश के सभी मंदिरों के व्यवस्थापक एकजुट हो रहे हैं। यदि वह धार्मिक भावनाओं से भक्तों के कष्ट निवारण के लिए एकजुट होकर काम करते हैं, तो इसमें किसी को कोई तकलीफ नहीं होनी चाहिए। वाराणसी में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में मंदिर के व्यवस्थापक एकजुट हो रहे हैं। संघ के बुलावे पर सब यहां आए हैं। वर्तमान स्थिति में इनके पास अन्य कोई विकल्प भी नहीं था। शंकराचार्यों एवं धमार्चार्यों के शा?मिल नहीं होने की क्रिया और प्रतिक्रिया किस रूप में होगी, इसको लेकर केंद्र सरकार और संघ को भी सतर्क होने की जरूरत है।

वैश्विकी: यूक्रेन-पाकिस्तान की सांठगांठ

डॉ. दिलीप चौबे

आर्थिक बदहाली से जूझ रहा पाकिस्तान अब यूक्रेन युद्ध में कूदने की कोशिश कर रहा है। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने एकाएक पाकिस्तान की यात्रा की तथा वहां के नेताओं से मंत्रणा की।

कूटनीतिक और सैन्य हलकों में कयास लगाया जा रहा है कि यूक्रेन पाकिस्तान से हथियारों की आपूर्ति चाहता है। इसके पहले भी इस तरह की खबरें आई थीं कि पाकिस्तान एक ओर रूस से सस्ते कच्चे माल का आयात कर रहा है वहीं दूसरी ओर यूक्रेन को हथियार मुहैया करा रहा है। कुलेबा के साथ बातचीत के बाद विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने यह सफाई दी कि उनका देश यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति नहीं करेगा। लेकिन इस सार्वजनिक बयान के बावजूद पाकिस्तान गोपनीय रूप से यदि यूक्रेन को हथियार भेजता है तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। पाकिस्तान के पास अमेरिका और चीन से हासिल किए गए हथियारों का जखीरा है।

यूक्रेन हाल के दिनों में हथियारों की कमी का शिकार है। अमेरिका और नाटो देशों की ओर से लगातार हथियारों की आपूर्ति के बावजूद यूक्रेन युद्ध के मोर्चे पर रूस का मुकाबला नहीं कर पा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार पश्चिमी देशों की खुफिया एजेंसियां पाकिस्तान और यूक्रेन के बीच कोई समझौता कराने की फिराक में है। पिछले दिनों अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (क्टऋ) से कर्ज दिलाने में मदद की है। पाकिस्तानी सेना अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रभाव में रही है। यह संभव है कि राजनीतिक नेतृत्व की राय से हटकर पाकिस्तानी सेना यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति करने का प्रयास करे। यदि ऐसा होता है तो रूस की ओर से सख्त प्रतिक्रिया होगी।

यूक्रेन युद्ध एक खतरनाक दौर की ओर बढ़ रहा है। रूस ने काला सागर से होकर खाद्यान्न की आपूर्ति संबंधी समझौते से हटने का ऐलान किया है। इस समझौते के जरिये काला सागर से होकर यूक्रेन और रूस के खाद्यान्न की आवाजाही होती थी। समझौते के रद्द होने के बाद दुनिया विशेषकर अफ्रीकी देशों में खाद्यान्न का संकट पैदा हो सकता है। रूस का तर्क यह है कि इस समझौते के जरिये यूक्रेन का खाद्यान्न गरीब देशों की बजाय यूरोपीय देशों को भेजा जा रहा है।

रूस का कहना है कि गरीब देशों को केवल 03 फीसद, यूरोपीय देशों को 41 फीसद और शेष मध्यम आय वर्ग वाले देशों को भेजा गया है। रूस का यह भी आरोप है कि जहां वह एक ओर यूक्रेन के लिए सुरक्षित समुद्री गलियारा उपलब्ध करा रहा है वहीं दूसरी ओर अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के कारण उसका खाद्यान्न निर्यात बाधित हो रहा है।

समझौते की ओर दोबारा लौटने के लिए रूस ने शर्त रखी है कि इसके खाद्यान्न निर्यात पर लगाई गई रोक हटाई जाए। कुछ महीने पूर्व जब खाद्यान्न समझौते का नवीनीकरण का मुद्दा सामने आया था तब भारत ने मध्यस्थता की थी। तुर्की ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से अनुरोध किया था कि वह रूस को राजी करे।

जयशंकर ने इस संबंध में रूस के विदेश मंत्री सग्रेई लावरोव से बातचीत की थी, उसके बाद रूस समझौते को आगे बढ़ाने पर सहमत हो गया था। लेकिन इस बार ऐसा होगा इसमें संदेह है। खाद्यान्न सुरक्षा के नाजुक हालात को देखते हुए भारत ने चावल निर्यात पर रोक लगाने का फैसला किया है।

काला सागर संघर्ष का एक नया क्षेत्र बन रहा है। रूस ने चेतावनी दी है कि यहां से गुजरने वाले किसी भी जलयान को शत्रु का जलयान माना जाएगा। रूसी सेना ने संदिग्ध जलयानों पर धावा बोलने का अभ्यास शुरू किया है। हालांकि अमेरिका ने घोषणा की है कि वह यूक्रेन के जलयानों को अपने युद्धपोतों के जरिये सुरक्षा मुहैया नहीं कराएगा। इसे रूस और नाटो देशों के बीच सीधे संघर्ष की आशंका फिलहाल टल गई है। लेकिन यह स्थिति कब तक जारी रहेगी कहना मुश्किल है।

युद्ध के मोर्चे पर यूक्रेन जवाबी हमले में नाकाम साबित हो रहा है। पिछले कुछ दिनों के दौरान उसने रूस की मुख्य भूमि और क्रीमिया को जोड़ने वाले सबसे बड़े पुल कर्च ब्रिज को निशाना बनाया है। साथ ही उसने क्रीमिया पर भी ड्रोन हमले किए हैं। राष्ट्रपति पुतिन इसे गंभीर मामला मानते हैं। आशंका है कि रूस की ओर से यूक्रेन के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व को निशाना बनाया जा सकता है।

सांसद लिखी थार ने मां-बेटे को रौंदा

8 महीने का बच्चा शव से लिपटकर रोता रहा, डेढ़ किमी दौड़ाकर लोगों ने ड्राइवर को पकड़ा

बिजनौर । एक सांसद लिखी थार गाड़ी ने बाइक को टक्कर मारी फिर उसे रौंदते हुए निकल गई। हादसे में मां और बेटे की मौत हो गई। जबकि पति और 8 महीने का मासूम बच्चा घायल है। हादसे के बाद गाड़ी लेकर भाग रहे ड्राइवर को लोगों ने डेढ़ किलोमीटर दौड़ाकर पकड़ लिया। इसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। घटना रविवार सुबह कोतवाली क्षेत्र में नेशनल हाईवे-119 के स्वाहेड़ी के पास की है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल बाप-बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया है। जबकि शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। पुलिस गाड़ी के ड्राइवर से पूछताछ कर रही है। अभी पता नहीं चल पाया है कि ये गाड़ी सांसद की है या नहीं। दरअसल, टांडा माईदास के फिरोज (35) पत्नी शबीना (34) व दो बच्चे आमिर (3 साल) और 8 महीने के अदनान को लेकर बाइक से अपनी ससुराल काजीवाला से अपने घर लौट रहा था। जैसे ही बाइक नेशनल हाईवे-74 पर स्वाहेड़ी के पास पहुंची, तभी एक तेज रफ्तार नई थार गाड़ी ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक सवार फिरोज की पत्नी शबीना और बेटे आमिर को थार रौंदती हुई निकल गई। जिससे दोनों की मौके पर मौत हो गई, जबकि फिरोज और दूसरा 8 महीने का बेटा अदनान घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। घायल फिरोज की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद थार गाड़ी चालक गाड़ी को लेकर भाग रहा था। तभी स्थानीय लोगों ने करीब डेढ़ किमी तक दौड़कर गाड़ी को पकड़ लिया। चालक को पुलिस के हवाले कर दिया। थार गाड़ी पर सफेद रंग से सांसद लिखा हुआ है। गाड़ी किस नेता की है, इसकी जानकारी पुलिस कर रही है। गाड़ी नई है और उस पर अभी नंबर भी नहीं पड़ा है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 11 बजे हुआ। थार की रफ्तार बहुत तेज थी। अचानक टक्कर की आवाज आई और बच्चों की चीख सुनकर हम लोग मौके पर पहुंचे। तब तक थार गाड़ी महिला और एक बच्चे को रौंदकर निकल रही थी। जिससे दोनों की मौत हो गई। हम लोगों ने घायल 8 महीने के बच्चे को उठाया, उसके हाथ में चोट लगी थी और वो मां के शव से लिपटकर रो रहा था। उसे चुप कराने की कोशिश की। उसके पिता के सिर में चोट लगी थी वो बेसुध था। जबकि कुछ लोगों ने थार गाड़ी का पीछा कर उसे पकड़ लिया। उसे भी पुलिस गाड़ी समेत अपने साथ ले गई। हादसे के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। परिजनों के मुताबिक फिरोज की शादी 4 साल पहले हुई थी। फिरोज मुम्बई के पालघर में 2 महीने पहले काम करने गया था। 1 हफ्ते पहले ही घर आया था। दंपती के 2 ही बच्चे थे जिनमें बड़े बेटे और पत्नी की मौत हो गई है। शहर कोतवाल जीत सिंह का कहना है कि थार गाड़ी और बाइक की टक्कर में एक महिला और एक बच्चे की मौत हुई है। जबकि 2 लोग घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। गाड़ी को कब्जे में लेकर चालक से पूछताछ की जा रही है।

मणिपुर की घटना के विरोध में कांग्रेस के कार्यकताओं ने किया प्रदर्शन

कानपुर । मणिपुर में हुई घटना को लेकर कांग्रेस कमेटी के कार्यकताओं ने शनिवार को फूलबाग स्थित गांधी प्रतिमा पर उपवास रखकर घटना में प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की। जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रांतीय कांग्रेस अध्यक्ष अनिल यादव ने अमानुषिक कृत्यों की भर्त्सना की। श्री यादव ने प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग करते हुए हिंसाग्रस्त लोगों से शांति बनाने रखने की अपील की है। शहर कांग्रेस कमेटी कानपुर उत्तर के अध्यक्ष नौशाद आलम मंसूरी ने कहा कि आज भारत मां को मणिपुर में हुई महिलाओं के साथ अत्यंत पीड़ादायक घटना ने रुला दिया है। भारत माता रो रही है कि आज उनकी बेटियों के साथ क्या हो रहा है। जब सरकार ही लोगों में नफरत भर देती है तो ऐसी क्रूर घटनाएं होती हैं जो अब बर्दाश्त के लायक नहीं है। उन्होंने राष्ट्रपति से मांग की मणिपुर की सरकार को बर्खास्त कर वहां राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व विधायक संजीव दरियाबादी, मदन मोहन शुक्ला, आलोक मिश्रा, दिलीप शुक्ला, पवन गुप्ता, अमित पाण्डेय और विकास अवस्थीआदि उपस्थित थे।

जीवन में पेड़ों का उतना ही महत्व जितना जीवित रहने के लिए सांसों का : राकेश सचान

बांदा । भाजपा शीर्ष नेतृत्व के आवाहन पर 22 जुलाई से 15 अगस्त तक चलने वाले वृक्षारोपण महा अभियान 2023 के अंतर्गत जनपद के सभी बूथों, विभिन्न स्थानों, संस्थानों वृक्षारोपण किया। इस मौके पर भाजपा कार्यकताओं, पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा वृक्षारोपण कर हरे-भरे प्रदेश के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर इस महाभियान में सहयोग का आवाह्न किया गया। प्राणि मात्र की रक्षा के लिए पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु संकल्प लेते हुए भाजपा ने वृक्षारोपण महा अभियान का शनिवार को शुभारंभ किया। इसके अंतर्गत मंडल पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, क्षेत्रीय पदाधिकारी तथा जनपद में निवास करने वाले राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने मंडल में बूथों में पहुंचकर वृक्षारोपण महा अभियान में भाग लिया। भाजपा जिला अध्यक्ष संजय सिंह के नेतृत्व में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी धाम जिला भाजपा कार्यालय परिसर में मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग राकेश सचान ने वृक्षारोपण करते हुए आम का पेड़ लगाया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि हमारे जीवन में पेड़ों का उतना ही महत्व है जितना कि जीवित रहने के लिए सांसो का। पेड़ केवल मनुष्य के जीवन में ही नहीं बल्कि सभी जीव-जंतुओं के जीवन में भी विशेष स्थान रखते हैं। पेड़ों से सभी जीवित प्राणियों और पशु पक्षियों को ऑक्सीजन मिलती है।

महिलाओं को मिले सम्मान, चलेगा अभियान

संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान व उनके स्वावलंबन के लिए मिशन शक्ति अभियान पहले से ही क्रियान्वित किया जा रहा है और अब योगी सरकार की ओर से प्रदेश की महिलाओं और बेटियों के सशक्तिकरण के लिए 10 दिवसीय विशेष अभियान की शुरूआत की गयी है। महिलाओं की सुरक्षा और उनके सम्मान के प्रति समर्पित सीएम योगी के निर्देश पर महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन इस अभियान को लीड कर रहा है। इसकी शुरूआत 21 जुलाई से हो चुकी है, जो 30 जुलाई तक चलेगी। यही नहीं, अब हर माह की 21 से 30 तारीख तक इस अभियान को चलाया जाएगा और महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों, उनकी समस्याओं के निराकरण के साथ ही उन्हें समाज में सम्मानित स्थान दिलाने का प्रयास किया जाएगा। महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन की अपर पुलिस महानिदेशक अनुपम कुलश्रेष्ठ ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मिशन शक्ति के चौथे चरण के तहत प्रदेश भर में महिला सशक्तिकरण को लेकर दस दिवसीय अभियान की शुरूआत की गयी है, जो हर माह चलेगा। इस दौरान प्रदेश की महिलाओं और बेटियों को विभाग की शक्ति दीदी (महिला आरक्षी) की ओर से विभिन्न सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया जाएगा। इस दौरान उन्हे इन योजनाओं का लाभ लेने में हो रही परेशानी को भी संबंधित विभाग से समन्वय बनाकर दूर किया जाएगा। अपर पुलिस महानिदेशक ने बताया कि विभाग की ओर से महिलाओं और बेटियों को समस्या को दूर करने के लिए रोजाना एक्शन लिया जाता है, लेकिन इस दस दिवसीय अभियान के दौरान शक्ति दीदी फील्ड में उनसे संपर्क करेंगी और उनकी समस्या को तत्काल निस्तारित कराएंगी। उन्होंने बताया कि रूटीन के दिनों में यह संभव नहीं हो पाता है इसलिए यह निर्णय लिया गया है। अभियान के दौरान महिला बीट पुलिस द्वारा बीट क्षेत्र से संबंधित यौन अपराध की पीड़िताओं से मिलकर उनकी आवश्यक काउंसलिंग करते हुए समस्याओं का समाधान किया जाएगा। वहीं वह उनकी आवश्यकता के अनुसार उनकी हर संभव मदद करेंगी। साथ की बीट क्षेत्र के स्कूलों (प्राथमिक/उच्च माध्यमिक/इंटरमीडिएट स्कूल) में दौरा करते हुए बच्चों को विभिन्न बाल अपराध के सम्बन्ध में जागरूक करेंगी। इस बीच बच्चों को गुड टच और बैड टच की भी जानकारी दी जाएगी। इसके लिए विशेषज्ञों की ओर से सेमिनार का आयोजन भी किया जाएगा। इस दौरान वह बीट सूचनाएं को दर्ज करेंगी। इसके अलावा सूचनाओं को अपने अधिकारियों से अवगत कराने के साथ उनके समाधान के लिए विभिन्न विभागों से संपर्क स्थापित करेंगी। अभियान के दौरान शक्ति दीदी अराजक तत्वों के खिलाफ उचित धाराओं के तहत गुण्डा एक्ट की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगी। इतना ही नहीं शक्ति दीदी की ओर से अभियान के दौरान शहरी क्षेत्रों में पिंक बूथ तथा चौकी के माध्यम से महिलाओं की समस्यायों के निस्तारण के लिए विशेष कैंप लगाकर कार्यवाही की जाएगी। पिंक बूथ पर लोकल स्तर पर महिलाओं की समस्याओं की समीक्षा करते हुए वन स्टॉप सलूशन कैम्प का आयोजन किया जा सकता है।

श्रम मंत्री व नोडल अधिकारी ने किया जिले में पौधरोपण अभियान का आगाज

महोबा । सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ के आह्वान पर उत्तरप्रदेश में शनिवार को पौधरोपण जन अभियान 2023 की शुरूआत की गई जिसमें 35 करोड़ पौधों का रोपण निर्धारित किया गया है, जिसका एक बड़ा हिस्सा 22 जुलाई को 30 करोड़ पौधों के लगाने के साथ मुख्यमंत्री ने स्वयं की जिम्मेदारी के साथ सभी जिलों में विभिन्न विभागों के मंत्रियों, अधिकारियों और कर्मचारियों को यह जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने ट्वीट के माध्यम से जन-जन को जागरूक करते हुए अपने लिए कम से कम एक पौधे के रोपण का लक्ष्य निर्धारित करने की बात कही एवं पर्यावरण की रक्षा को आस्था का विषय भी बताया। महोबा जिले में इस अभियान की शुरूआत श्रम राज्य मन्त्री मनोहर लाल पंथ एवं पौधरोपण हेतु शासन द्वारा जनपद हेतु नामित नोडल अधिकारी/सचिव नगर विकास विभाग रविन्द्र ने की। उनके साथ सदर विधायक राकेश गोस्वामी, सदस्य विधान परिषद जितेन्द्र सिंह सेंगर, जिलाधिकारी मनोज कुमार के साथ आज पौधरोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया तथा जनपद में विभिन्न स्थलों पर पौधरोपण किया। श्रममंत्री व नोडल अधिकारी के द्वारा सर्वप्रथम जवाहर नवोदय विद्यालय, महोबा में हरिशंकरी (पीपल,पाकड़, बरगद) का वृक्ष रोपित कर लोगों को पौधरोपण हेतु प्रोत्साहित किया। तदोपरांत नोडल अधिकारी एवं जिलाधिकारी की उपस्थिति में जिला पंचायत द्वारा ग्राम पसवारा में 1050 पौधे तथा बिलबई-छिकाहरा रोड में नगर पालिका, महोबा द्वारा 1500 पौधे रोपित किये गए। इस दौरान नोडल अधिकारी ने कहा कि वन पृथ्वी पर जीवन के लिए अनिवार्य तत्व हैं, यह प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने में पूर्णतया सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि वृक्ष ऑक्सीजन का स्त्रोत हैं, वे कार्बन डाइऑक्साइड ग्रहण करते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं। कार्बन डाइऑक्साइड लेने के अलावा पेड़ सल्फर डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड सहित कई हानिकारक गैसों को भी अवशोषित करते हैं।

संक्षिप्त डायरी

क्लास में इंसुलिन और ग्लूकोमीटर लेकर जा सकेंगे छात्र

संवाददाता

लखनऊ । बच्चों में टाइप-1 डायबिटीज के खतरों को देखते हुए योगी सरकार ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण, भारत सरकार द्वारा दिए गए निदेर्शों को प्रदेश में लागू करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा सभी मंडलीय शिक्षा निदेशकों (बेसिक) एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष द्वारा 0 से 19 वर्ष के छात्रों में टाइप-1 डायबिटीज रोग के नियंत्रण के लिए प्रदेश सरकार से कार्यवाही सुनिश्चित करने की अपील की गई थी। इसके बाद योगी सरकार ने बाल संरक्षण एवं सुरक्षा के संबंध में दिशा निर्देश जारी किए हैं। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पत्र को योगी सरकार ने गंभीरता से लेते हुए बेसिक शिक्षा विभाग पर इस पर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरण आनंद की ओर से संयुक्त शिक्षा निदेशक (बेसिक) गणेश कुमार को इस पर आवश्यक दिशा निर्देश जारी करने के लिए पत्र लिखा गया, जिसके बाद पूरे प्रदेश में बेसिक शिक्षा द्वारा संचालित विद्यालयों में इसे लागू किए जाने का निर्णय लिया गया है। इन निदेर्शों के अनुसार चिकित्सक द्वारा सलाह दिए जाने पर टाइप-1 डायबिटीज वाले बच्चों को ब्लड शुगर की जांच करने, इंसुलिन का इंजेक्शन लगाने, मध्य सुबह या मध्य दोपहर का नाश्ता लेने या डायबिटीज एवं देखभाल गतिविधियां करने की अवश्यकता हो सकती है और शिक्षकों को परीक्षा के दौरान या अन्यथा भी कक्षा में इसे करने की अनुमति दी जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त, बच्चा चिकित्सीय सलाह के अनुसार खेलों में भाग ले सकता है।\ टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित बच्चे जो स्कूली परीक्षा और अन्य प्रतियोगी परीक्षा दे रहे हैं उन्हें ये छूट दी जा सकती हैं... -दवाएं, फल, नाश्ता, पीने का पानी, कुछ बिस्किट, मूंगफली, सूखे फल परीक्षा हाल में शिक्षक के पास रखे जाएं जिससे कि आवश्यकता पड़ने पर परीक्षा के दौरान बच्चों को दिया जा सके। -स्टाफ को बच्चों की परीक्षा हॉल में अपने साथ ग्लूकोमीटर और ग्लूकोज परीक्षण स्ट्रिप्स ले जाने की अनुमति देनी चाहिए, जिन्हें पर्यवेक्षक या शिक्षक के पास रखा जा सकता है। -बच्चों को ब्लड शुगर का परीक्षण करने और आवश्यकतानुसार उपरोक्त वस्तुओं का सेवन करने की अनुमति दी जानी चाहिए। -सीजीएम (सतत ग्लूकोज मॉनिटरिंग), एफजीएम (फ्लैश ग्लूकोज मॉनिटरिंग) और इंसुलिन पंप का उपयोग करने वाले बच्चों को परीक्षा के दौरान इन उपकरणों को रखने की अनुमति दी जानी चाहिए, क्योंकि वे बच्चों के शरीर से जुड़े होते हैं। यदि इनकी रीडिंग के लिए स्मार्टफोन की आवश्यकता पड़ती है तो यह स्मार्टफोन शिक्षक या पर्यवेक्षक को ब्लड शुगर के लेवल की मॉनिटरिंग के लिए दिया जा सकता है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा प्रदेश सरकार के शक्षा विभाग को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन (आईडीएफ) के डायबिटीज एटलस 2021 के डेटा के अनुसार दुनिया भर में सर्वाधिक टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित बच्चों की संख्या भारत में है। साउथ ईस्ट एशिया में 0 से 19 वर्ष के बीच इस बीमारी से जूझ रहे बच्चों की यह संख्या 2.4 लाख से अधिक हो सकती है। भारत में कुल 8.75 लाख लोग इससे जूझ रहे हैं। टाइप-1 डायबिटीज से जूझ रहे लोगों को प्रतिदिन 3-5 बार इंसुलिन इंजेक्शन लेने व 3-5 बार शुगर टेस्ट की आवश्यकता होती है। इसमें लापरवाही फिजिकल एवं मेंटल हेल्थ के साथ ही अन्य चुनौतियों का कारक बन सकती है।

कांशीराम राजकीय महाविद्यालय में किया वृक्षारोपण

संवाददाता

गाजियाबाद। मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय गाजियाबाद में प्राचार्य प्रोफेसर संगीता गुप्ता के सफल निर्देशन में तथा पर्यावरण क्लब के तत्वावधान में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें आम, जामुन, अमरूद, गुड़हल, चांदनी, चमेली, गुलमोहर, आंवला के लगभग 300 पौधे रोपित किए गए। कार्यक्रम में पर्यावरण क्लब प्रभारी डॉ ज्योति यादव, एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ. मीनू वार्ष्णेय, एनएसएस प्रभारी डॉ. श्वेता शर्मा, डॉ. जितेंद्र कुमार तथा रोवर्स रेंजर प्रभारी डॉ भगत सिंह, डॉ प्रियंका का विशेष योगदान रहा। समस्त विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर सभी प्राध्यापक मौजूद रहे। साथ ही जनपद गाजियाबाद उच्च शिक्षा की नोडल अधिकारी प्राचार्या प्रोफेसर संगीता गुप्ता के सफल निर्देशन में वृक्षारोपण जिला प्रभारी डॉ0 उत्तम कुमार शर्मा ने जनपद गाजियाबाद के 44 महाविद्यालयों के प्राचार्य/संयोजक/प्राध्यापकों/ छात्र-छात्राओं के सहयोग से उच्च शिक्षण संस्थानों में 19880 पौधारोपण किया गया।

माफिया के लिए महा काल है डबल इंजन की सरकार : योगी

- मुजफ्फरनगर में 242 करोड़ की परियोजनाओं का मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास और लोकार्पण
- सीएम योगी ने मुजफ्फरनगर में किया पौधरोपण, अक्षयवट को देख हुए अभिभूत
- जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, शुक्रतीर्थ से मां गंगा की धारा को लाने का सपना हुआ साकार
- जल्द होगा शुक्रतीर्थ विकास परिषद का गठन, तैयारियां पूरी : सीएम
- सुरक्षा, समृद्धि, विकास और विरासत का सम्मान ही हमारी पहचान : योगी
- बेटियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाला रसातल में जाएगा : योगी

संवाददाता

मुजफ्फरनगर । माफिया, भ्रष्टाचारी, अपराधी और बहन बेटियों की इज्जत के साथ खिलवाड़ करने वालों के लिए डबल इंजन की सरकार महा काल है। बेटियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाला कोई भी हो वो धरती पर नहीं रसातल में जाएगा। मुजफ्फरनगर में जो लोग पहले लोगों का पलायन कराते थे आज वो खुद पलायन कर चुके हैं। ये बातें शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां जनसभा को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये उनका सौभाग्य है कि उन्हें भागवत भूमि शुक्रतीर्थ आने और यहां अक्षय वट को देखने का अवसर मिला है। प्रदेश सरकार बहुत जल्द शुक्रतीर्थ विकास परिषद् का गठन करने जा रही है, इसे लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इससे पूर्व उन्होंने पौधरोपण करते हुए प्रदेशवासियों से एक-एक पेड़ लगाने की अपील की। मुख्यमंत्री ने शुक्रतीर्थ में गायों को गुड़ खिलाया और मां गंगा की आरती भी की। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लगभग चार वर्ष बाद उन्हें भागवत भूमि का दर्शन करने का अवसर प्राप्त हुआ है। मां गंगा की पवित्र धारा का शुक्रतीर्थ से होकर गुजरने का सपना आज साकार हो रहा है। मां गंगा इस लोक में कोटि कोटि जीवों के जीवन में सुख और समृद्धि का संचार कर रही हैं और अब इनकी धारा शुक्रतीर्थ से होकर गुजरेगी। पूरी दुनिया में फैले भारतवंशी यहां के कथा व्यास को बुलाकर श्रीमद भागतव कथा का श्रवण करके अपने जीवन को धन्य करते हैं। ये भारत को भारत बनाने वाली भूमि है। शकुंतला पुत्र महाराज भरत ने यहीं जन्म लेकर हस्तिनापुर की विरासत को आगे बढ़ाने का कार्य किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास और विरासत की नई गाथा को आगे बढ़ा रहा है। काशी में विश्वनाथ धाम हो या सोमनाथ से लेकर केदारनाथ, बद्रीनाथ और महाकाल का पुनरोद्धार। यही नहीं अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर आकार ले रहा है। ये कार्य पहले भी हो सकता था, मगर पहले की सरकार के पास आपकी आस्था को सम्मान देने की फुर्सत नहीं थी। उन्होंने न विरासत को सम्मान दिया, ना विकास को आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार जल्द शुक्रतीर्थ विकास परिषद का गठन करने जा रही है। इससे विकास को नया आयाम मिलेगा, कनेक्टिविटी बढ़ेगी, रोजगार के अवसर पैदा होंगे और विकास के नये नये द्वार खुलेंगे। आज ओडीओपी में शामिल मुजफ्फरनगर का गुड़ पूरी दुनिया में मिठास घोल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिमी यूपी में पहले बेटियों की सुरक्षा पर ग्रहण लग गया था। पलायन शुरू हो गया था। अराजकता चरम पर थी, किसान परेशान थे, नौजवान बेरोजगार था। मगर आज बेटियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाला धरती पर नहीं रसातल में जाएगा। व्यापारियों की सुरक्षा की गारंटी डबल इंजन की सरकार दे रही है। पलायन कराने वाले खुद पलायन कर गये हैं। गरीब कल्याण और शासन की योजनाएं बिना भेदभाव के साथ उपलबध करायी जा रही हैं। आज कांवड़ियों को कोई परेशान नहीं कर सकता। आज तो उनपर सरकार पुष्प वर्षा करा रही है। पहले की सरकारों के लिए ऐसा करने में अपना वोटबैंक खिसकता दिखता था। मगर आज जनता ने जातिवाद से ऊपर उठकर ऐसे लोगों को सत्ता से ही खिसका दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शुक्रदेव जी की प्रेरणा से आज पूरे प्रदेश में 30 करोड़ वृक्ष लगाए जा रहे हैं। सीएम ने सभी से अपील करते हुए कहा कि 100 साल से पुराने वृक्ष को काटने की जगह विरासत वृक्ष के रूप में सम्मान दीजिए। वृक्ष ना सिर्फ हमें आक्सीजन देते हैं बल्कि जल संरक्षण भी करते हैं। आज पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग को लेकर परेशान हैं। ऐसे में हमारा दायित्व है कि हम अधिक से अधिक वृक्ष लगाएं और विरासत वृक्षों का सम्मान करें। हर व्यक्ति ये संकल्प ले कि वो एक पेड़ जरूर लगाएगा और उसकी सुरक्षा भी करेगा। क्योंकि हमारे यहां मान्यता है कि मां का दूध तभी फलीभूत होता है, जब वो एक फलदार वृक्ष लगाता है। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, मंत्री कपिल देव अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ वीरपाल निर्वाल, विधान परिषद सदस्य वंदना वर्मा, जिलाध्यक्ष विजय शुक्ला, नगर पंचायत अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

यासीन मलिक की कोर्ट में व्यक्तिगत पेशी मामले, चार सस्पेंड

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में जेकेएलएफ प्रमुख यासीन मलिक की व्यक्तिगत पेशी को लेकर अदालत के नाराजगी जताए जाने के बाद तिहाड़ प्रशासन ने एक्शन लिया है। तिहाड़ जेल के प्रवक्ता अरविंद कुमार ने बताया कि उक्त मामले में चार अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है। साथ ही जांच के आदेश भी दिए गए हैं। तीन दिन के भीतर मामले में रिपोर्ट देने को कहा गया है। जेल सूत्रों के अनुसार जांच में पाया गया कि सेंट्रल जेल नंबर 7 में बंद यासीन मलिक बंद की पेशी के मामले में अधिकारियों की तरफ से बड़ी चूक हुई थी।

'आप' सांसद ने संसद परिसर में पत्रकारों को सुविधाएं दिलाने के लिए राज्यसभा सभापति को लिखा पत्र

नई दिल्ली' आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने राज्यसभा के सभापति को पत्र लिखकर संसद को कवर करने वाले पत्रकारों के सामने आए दिन आने वाली चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों की ओर ध्यान आकर्षित किया है। वर्तमान में पत्रकार संसद के एंट्री गेट नंबर 12 के पास स्थित एक छोटे से अस्थायी तंबू से अपना काम कर रहे हैं। यह उनके पिछले सेटअप से भी छोटा है, जो पर्याप्त वातानुकूलित नहीं है और पीने के पानी की भी बेहतर सुविधा नहीं होने से उनको दिक्कत होती है। खासकर भीषण गर्मी और भारी बारिश के मौसम में ज्यादा परेशानी होती है।

पत्रकारों के सामने आ रही इन परेशानियों को ध्यान में रखते हुए आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने राज्यसभा के सभापति को पत्र लिखकर पत्रकारों के लिए बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने की मांग की है। जिसमे बड़ा वातानुकूलित टेंट, पर्याप्त स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ ही महिला पत्रकारों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने और शौचालय की व्यवस्था कराने अपील की गई है।

पच्चीस सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेगी जन सेवा ड्राइवर पार्टी नीरज

नई दिल्ली' जन सेवा ड्राइवर पार्टी 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों में 25 सीटों पर अपना उम्मीदवार उतारेगी।यह जानकारी पार्टी के संगठन महामंत्री नीरज भाई ने दी। पार्टी का दूसरा राष्ट्रीय अधिवेशन नयी दिल्ली स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब में हुआ। इस अधिवेशन में पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ-साथ विभिन्न

प्रदेशों के पदाधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। श्री नीरज ने बताया कि देश में परिवहन क्षेत्र से जुड़े चालकों तथा ट्रांसपोर्टरों की समस्याओं को लेकर 17 सितंबर को चक्काजाम एवं 25 दिसंबर को राष्ट्रव्यापी आंदोलन चलाया जाएगी।

इटली में द्वितीय विश्व युद्ध में लड़ने वाले भारतीय सैनिकों के सम्मान में स्मारक

नई दिल्ली। इटली ने द्वितीय विश्व युद्ध में प्राणों की बाजी लगाकर लड़ने वाले भारतीय सैनिकों के योगदान का सम्मान करते हुए एक स्मारक का उद्घाटन किया है। इटली में भारत की राजदूत डा नीना मल्होत्रा और भारत के रक्षा अताची ने इस मौके पर आयोजित समारोह में देश का प्रतिनिधित्व किया। इसके अलावा भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारी तथा इटली के गणमान्य व्यक्ति भी इस मौके पर मौजूद थे। तिबर घाटी में

वीरता से लड़ते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय योद्धा नायक यशवंत घाड़गे, विक्टोरिया क्रॉस को इस मौके पर विशेष रूप से याद किया गया। द्वितीय विश्व युद्ध में इटली में 50 हजार से भी अधिक भारतीय सैनिकों ने हिस्सा लिया था और इटली में दिये गये 20 विक्टोरिया क्रॉस में से 6 भारतीय सैनिकों को प्रदान किये गये थे। इस युद्ध में 23 हजार 722 भारतीय सैनिक हताहत हुए जिनमें से 5782 ने सर्वोच्च बलिदान दिया था।

साउथ दिल्ली में कार के शीशे तोड़ने का विरोध किया तो शख्स को जमकर पीटा, वीडियो वायरल हुआ तो हरकत में आई पुलिस

नई दिल्ली। ईस्ट आफ कैलाश स्थित संतनगर बी-ब्लॉक में कार की पार्किंग विवाद को लेकर एक पक्ष ने दूसरे पक्ष की महिला और उनके पति पर जमकर डंडे बरसाए। आरोपित पक्ष ने पीड़ित पक्ष की कार के शीशे तोड़कर उसे पीछे कर दिया। जब पीड़ित पक्ष ने विरोध किया तो उसी पर डंडे से ताबड़तोड वार कर दिए। इस घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस हरकत में आई। यह वीडियो करीब एक महीने पुराना बताया जा रहा है। इसके बाद पुलिस ने वारदात में शामिल बाप-बेटे को गिरफ्तार कर लिया। दुष्यंत गोयल परिवार के साथ संतनगर बी-ब्लॉक में रहते हैं। उन्होंने अपनी कार ब्लॉक में ही खड़ी की थी। जहां कार खड़ी की गई, उस जगह अस्थाई पार्किंग है। संबंधित जगह पर अन्य निवासियों के वाहन भी खड़े रहते हैं। पड़ोस में रहने वाले दलजीत सिंह ने दुष्यंत गोयल की पार्किंग में खड़ी कार को लेकर विवाद किया।

उस समय मौके पर न तो दुष्यंत थे और न ही उनके परिवार का कोई सदस्य। आरोप है कि दलजीत सिंह ने पहले तो कार के शीशे तोड़ दिए। इसके बाद कार के हैंडब्रेक खींचकर उसे पीछे कर दिया। जब दुष्यंत मौके पर पहुंचे तो उन्होंने विरोध किया। इस पर दलजीत सिंह ने उनसे बहस की। कुछ ही देर बार आरोपित दलजीत

ने दुष्यंत पर डंडे से वार करना शुरु कर दिया। इस दौरान दुष्यंत की पत्नी और आरोपित परिवार की कई महिलाएं भी मौके पर मौजूद थी। दुष्यंत की पत्नी ने अपने पति को बचाने का प्रयास किया तो आरोपित दलजीत ने उनके साथ भी अभद्रता की। इसके बाद ताबड़तोड़ दुष्यंत पर डंडे से वार किए। इतना ही नहीं, दलजीत परिवार की महिलाओं ने भी दुष्यंत की पत्नी के साथ धक्का मुक्की की। जैसे तैसे करके दंपत्ती ने अपनी जान बचाई। इस वारदात में बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस से शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। जब मारपीट का वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुआ तो पुलिस हरकत में आ गई। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर दलजीत सिंह और हरजाप सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। वहीं, इसमें शामिल तीन महिलाओं की अग्रिम जमानत दो बार खारिज कर दी गई है। इसके बाद दो महिलाओं को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। एक महिला को उच्च न्यायालय से अंतरिम सुरक्षा मिल गई।

वायरल वीडियो में दिख रही हैवानियत

इस मामले से जुड़ी वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रही है। इस वीडियो में नजर आ रहा है कि आरोपित दलजीत डंडे से पीड़ित पर एक के बाद एक वार कर रहा है। जब पीड़ित की पत्नी बीच बचाव में आती है तो आरोपित पक्ष की महिलाएं उसके साथ भी अभद्रता करती हैं।

डीसीडब्ल्यू ने एक लड़की को उप्र से करवाया रेस्क्यू

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने दिल्ली पुलिस और उप्र पुलिस के साथ मिलकर एक 22 वर्षीय लड़की को रेस्क्यू करवाया है, जिसे उसके परिवार ने दिल्ली में उसके पति के घर से अपहरण कर लिया था। जून 2023 में आयोग की सदस्य फिरदौस खान को एक लड़की की शिकायत मिली, जिसमें बताया गया कि वह उप्र के अमरोहा में रहती है और उसने अपने परिवार की इच्छा के विरुद्ध मई 2023 में अपनी पसंद के व्यक्ति से शादी कर ली है।

उसने बताया कि उसे अपने परिवार से जान का खतरा है इसलिए वह भागकर दिल्ली आ गई और अपने पति के साथ वहीं रहने लगी। डीसीडब्ल्यू ने तुरंत दिल्ली पुलिस के समक्ष शिकायत दर्ज कराने में लड़की और उसके पति की सहायता की। हालांकि, लड़की ने उस समय अपने परिवार वालों के खिलाफ कोई भी कानूनी कार्रवाई करने से इनकार कर दिया था। 21 जुलाई को डीसीडब्ल्यू को 181 महिला हेल्पलाइन पर लड़की के पति ने कॉल की।

उन्होंने बताया कि लड़की के परिवार के कुछ पुरुष सदस्यों ने दिल्ली स्थित उनके घर आकर उसके साथ मारपीट की और उसे वहां से अगवा कर लिया है। इस मामले पर डीसीडब्ल्यू की सदस्य फिरदौस खान ने अध्यक्ष स्वाति मालीवाल से चर्चा की, जिन्होंने तुरंत एक टीम बनाई और उन्हें दिल्ली पुलिस और उप्र पुलिस के साथ समन्वय करने के लिए कहा।

डीसीडब्ल्यू सदस्य फिरदौस खान ने दिल्ली और उप्र दोनों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से भी बात की। हर्ष विहार थाने में आईपीसी की धारा 365/323/34 के तहत तुरंत एफआईआर दर्ज की गई और दिल्ली पुलिस की एक टीम को लड़की के माता-पिता के निवास पर उत्तर प्रदेश भेजा गया। उप्र पुलिस भी लड़की के माता-पिता के घर पहुंची। पुलिस की कार्रवाई और बढ़ते दबाव को देखते हुए लड़की के परिजन उसे रात में ही थाना गजरौला, उप्र में छोड़ गए। लड़की को दिल्ली लाया गया और आयोग की मौजूदगी में उसकी मेडिको लीगल जांच कराई गई। उप्र लड़की की काउंसलिंग कर रहा है और उसे कानूनी सहायता प्रदान कर रहा है। डीसीडब्ल्यू की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा, ÷हमें हमारी 181 हेल्पलाइन पर एक 22 वर्षीय लड़की के उसके ही परिवार द्वारा अपहरण के संबंध में एक कॉल मिली। हमारी टीम ने तेजी से कार्रवाई की और दिल्ली पुलिस और उत्तर प्रदेश पुलिस की मदद से कुछ ही घंटों में लड़की को बचा लिया गया और दिल्ली लाया गया। मैं यह सोचकर कांप उठती हूं कि अगर समय पर मदद उस तक नहीं पहुंची होती तो उसके साथ क्या होता। हम लड़की को हर संभव सहायता प्रदान करेंगे। परिवार के सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि वे भविष्य में लड़की को नुकसान पहुंचाने की हिम्मत न कर सकें।

दिल्ली के बाद नोएडा में बाढ़ का खतरा! हरनंदी की तलहटी में बनी कॉलोनियों में घुसा पानी, लोग घर छोड़ने को मजबूर

नोएडा। हरनंदी का जलस्तर बढ़ने से नदी किनारे अवैध रूप से बसी कॉलोनियों के घरों में पानी घुस गया है। इसके कारण लोग घर छोड़ने को मजबूर हो रहे। लोग बाढ़ का हवाला देकर राहत देने की मांग कर रहे, जबकि हरनंदी की तलहटी तक में घर बना लिया गया है। चोटपुर, बहलोलपुर, छीजारसी में डूब क्षेत्र में स्थित सैंकड़ों घरों में बाढ़ की स्थिति हुई है। पानी छोड़े जाने के बाद हरनंदी नदी में एक बार फिर से बाढ़ का खतरा आ गया है । जिला प्रशासन ने हरनंदी में बाढ़ आने का

अलर्ट जारी किया है। आसपास रहने वाले लोगों से अपील की गई है कि वह सुरक्षित स्थान पर चले जाएं । जिला प्रशासन की टीम वहां पर रहने वाले लोगों को जागरूक कर रही है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार ने बताया कि काली नदी से लगातार हरनंदी में पानी छोड़ा जा रहा है।

गाजियाबाद बैराज पर डाउनस्ट्रीम में हिंडन में खतरे का निशान 205.80 मीटर है। जबकि इस समय हिंडन का जल स्तर 200.65 मीटर पहुंच गया है। सामान्य तौर पर हिंडन में रोजाना 6 से 7 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जाता है। इस समय 15307 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इस कारण गौतमबुद्ध नदी में जल स्तर बढ़ रहा है। सभी एसडीएम को अलर्ट कर दिया गया है। अपने-अपने क्षेत्र में डूब एरिया को खाली कराने का काम करेंगे।

ट्रैफिक के लिहाज से दो जोन और सात सर्किल में बांटा गया नोएडा, नहीं लगेगा जाम

नोएडा। जिले में यातायात व्यवस्था को बेहतर करने के लिए जिले को दो जोन और सात सर्किल में बांटा गया है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर पुलिस उपायुक्त यातायात सुनिति ने यातायात व्यवस्था को अधिक सुचारू रूप से संचालित करने के लिए यह व्यवस्था की है।

प्रथम जोन में सहायक पुलिस आयुक्त यातायात प्रथम क्षेत्र के अंतर्गत थाना सेक्टर-20, फेस-1, सेक्टर-24, सेक्टर-58, सेक्टर-63, फेस-3, सेक्टर-113, सेक्टर-126, सेक्टर-39, एक्सप्रेस-वे, फेस-2, सेक्टर-49, और सेक्टर-142 थाना क्षेत्र को शामिल किया गया है।

दूसरे जोन में आएंगे ये क्षेत्र- दूसरे जोन में सहायक पुलिस आयुक्त यातायात द्वितीय क्षेत्र के अंतर्गत थाना ईकोटेक-तीन, बिसरख, दादरी, जारचा, सूरजपुर, नॉलेज पार्क, बीटा-2, कासना, ईकोटेक प्रथम, दनकौर, रबूपुरा, जेवर थाना क्षेत्र को शामिल किया गया है।

दोनों ट्रैफिक जोन को सात ट्रैफिक सर्किल में बांटा गया है। प्रत्येक सर्किल में एक यातायात निरीक्षक नियुक्त होंगे तथा प्रत्येक सर्किल में यातायात के दबाव और वाहनों की संख्या को देखते हुए

यातायात उप निरीक्षक, यातायात मुख्य आरक्षी, तथा यातायात आरक्षी नियुक्त किए जाएंगे।

पुलिस उपायुक्त यातायात ने बताया कि व्यवस्था में बदलाव किए जाने का कारण व्यस्त समय में जाम को खत्म करना और यातायात व्यवस्था को बेहतर करना है। जिससे किसी भी जगह यातायात व्यवस्था में व्यवधान पैदा न हो।

ट्रैफिक के लिहाज से दो जोन और सात सर्किल में बांटा गया नोएडा, नहीं लगेगा जाम

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली जिले में तैनात एक इंस्पेक्टर, एक सब-इंस्पेक्टर (एसआई) और एक सहायक सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) सहित दिल्ली पुलिस के तीन कर्मियों को अरुणाचल प्रदेश के एक राजनेता, जो एक केंद्रीय मंत्री भी हैं, के रिश्तेदारों से कथित तौर पर करोड़ों रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है।

एक सूत्र ने बताया कि अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री से शिकायत मिलने के बाद डीसीपी सेंट्रल दिल्ली संजय सैन ने यह कार्रवाई की।निलंबित अधिकारी इंस्पेक्टर गिरीश जैन, एस-आई अखिल कुमार और एएसआई राकेश हैं और निलंबन आदेश 21 जुलाई को जारी किया गया था। निलंबन आदेश में कहा गया है, ÷निलंबन की अवधि के दौरान, उन्हें आधे वेतन अवकाश पर अर्जित राशि के बराबर निर्वाह भत्ता मिलेगा, साथ ही निलंबन के समय उनके अवकाश वेतन के आधार पर महंगाई भत्ता और अन्य सामान्य भत्ते भी मिलेंगे। यदि निलंबन अवधि तीन महीने से अधिक हो जाती है, तो उनके निर्वाह भत्ते की समीक्षा की जाएगी।

आदेश में कहा गया है कि निलंबित पुलिसकर्मी अपना किट कपड़ा दुकान में और पहचान पत्र

सामान्य शाखा में जमा करेंगे। आदेश में कहा गया है कि उन्हें निलंबन अवधि के दौरान केंद्रीय जिले में रिपोर्ट करना होगा। उन्हें मुख्यालय न छोड़ने की चेतावनी भी दी गई है। आदेश में कहा गया है, ÷मुख्यालय डिस्ट्रिक्ट लाइन/सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट होगा और वे सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे।

शाह ने सीआईएसएफ के विमानन सुरक्षा नियंत्रण केंद्र का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यहां महिपालपुर स्थित केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) परिसर के विमानन सुरक्षा नियंत्रण केंद्र का उद्घाटन किया।

विमान यात्रियों की निरंतर बढती संख्या से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए एयरपोर्ट सेक्टर ने महिपालपुर परिसर में एक विमानन सुरक्षा नियंत्रण केंद्र और विमानन सुरक्षा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला की स्थापना की है। सीआईएसएफ ने विमानन सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था में उत्कृष्ट कार्य कर अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है।

इस विमानन सुरक्षा नियंत्रण केंद्र के चार प्रमुख घटक, संचार एवं नियंत्रण केंद्र,घटना प्रबंधन केंद्र,विमानन अनुसंधान केंद्र और डेटा सेंटर हैं। इस अवसर पर बल के महानिदेशक शील वर्धन सिंह और अनेक वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

हिन्द प्रशांत क्षेत्र में कोई भी देश एकतरफा नियम नहीं बना सकता : एडमिरल हरि कुमार

नई दिल्ली। वियतनाम की यात्रा पर गये नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा है कि हिन्द प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता को लेकर भारत तथा वियतनाम मिलकर काम कर रहे हैं तथा इस क्षेत्र में कोई भी देश अपने हितों के अनुसार एकतरफा बदलाव या नियमों की व्याख्या नहीं कर सकता।

एडमिरल कुमार ने वियतनाम के कैम रॉन में भारतीय नौसेना के युद्धपोत 'कृपाण' को सेवा मुक्त करने और इसे वियतनाम पीपुल्स नेवी को सौंपने के समारोह की अध्यक्षता की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हिन्द प्रशांत क्षेत्र के बारे में दोनों देशों के विचारों में समानता है । दोनों देश इसे केवल एक भौगोलिक संरचना के बजाय एक एकीकृत क्षेत्र में रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा कि वियतनाम, भारत के

हिन्द प्रशांत दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण साझीदार है। दोनों देश हिन्द प्रशांत को सुरक्षित तथा स्थिर बनाये रखने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने हाल ही में वर्ष 2030 के लिए भारत वियतनाम रक्षा साझेदारी के संबंध में एक संयुक्त विजन दस्तावेज पर हस्ताक्षर किये हैं। इससे दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग का दायरा बढेगा और यह सुनिश्चित होगा कि कोई भी देश हिन्द प्रशांत क्षेत्र में एकतरफा नियमों में बदलाव या उनकी अपनी सहुलियत से व्याख्या नहीं कर सकता। नौसेना प्रमुख ने कहा कि दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच व्यापक संबंध हैं और इनका दायरा निरंतर बढता जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा वियतनाम को युद्धपोत कृपाण का हस्तांतरण भारत के वसुधैव कुटुम्बकम के जी-20 के विजन के अनुरूप है। भारत द्वारा स्वदेशी मिसाइल युद्धपोत आईएनएस कृपाण को वियतनाम की नौसेना को सौंपने का कदम उसके समान विचारधारा वाले सहयोगियों की क्षमता और सामर्थ्य में वृद्धि और सरकार के 'एक्ट ईस्ट' तथा क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास कार्यक्रम (सागर) की नीतियो के अनुरुप हैं। भारत ने पूर्ण रुप से संचालित युद्धपोत को पहली बार किसी भी पड़ोसी मित्र देश को उपहार स्वरुप दिया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गत 19 जून को ही खुखरी श्रेणी के इस मिसाइल युद्धपोत को वियतनाम को उपहार में देने की घोषणा की थी। इस घोषणा के आईएनएस कृपाण तिरंगा धारण किये हुए अपनी अंतिम यात्रा में भारत से वियतनाम के लिए 28 जून को रवाना हुआ था और आठ जुलाई को वियतनाम के कैम रॉन पहुंचा।

राजस्थान, बंगाल, बिहार में महिला अत्याचार पर विपक्ष की चुप्पी क्यों: ठाकुर

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजस्थान, पश्चिम बंगाल और बिहार में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, दरिंदगी की घटनाओं और इस पर विपक्षी दलों की चुप्पी की भर्त्सना करते हुए कहा कि इन राज्य सरकारें दोषियों पर कार्रवाई की बजाय राजनीतिक रोटियां सेंकने में मशगूल हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने आज यहाँ पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश के कुछ राज्यों में महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रही आपराधिक घटनाओं को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और मानवता को शर्मसार करने वाली हैं। चूँकि कानून व्यवस्था राज्य की जिम्मेदारी होती है, फिर भी संबंधित राज्यों में महिला उत्पीड़न के खिलाफ कोई उचित कदम नहीं उठाए गए। महिलाओं के साथ हो रहे दुष्कर्म जैसी जघन्य घटनाओं को भी कुछ विपक्षी नेता राजनीतिक चश्मे से देखते हैं।

श्री ठाकुर ने कहा कि राजस्थान में नित्य प्रायः जिस प्रकार महिलाओं और बच्चियों के साथ दुष्कर्म, सामूहिक दुष्कर्म, एसिड अटैक और दिन दहाड़े हत्याओं जैसी घटनाएँ बढ़ रही हैं और उस पर कोई कार्रवाई भी नहीं होती, उससे एक शांतिप्रिय राज्य राजस्थान के लोग मर्माहत हैं। पिछले वर्षो वर्षों में महिला अपराध के मामलों में राजस्थान नंबर वन राज्य बन गया है। महिला अपराध की एक लाख 90 हजार घटनाएँ राजस्थान में पिछले चार वर्षों में, वहां की अशोक गहलोत सरकार के शासन काल में घटित हुई हैं। देश की 22 फीसदी महिला दुष्कर्म की घटनाएं अकेले राजस्थान से दर्ज हुई हैं।

केन्द्रीय मंत्री ने राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दो दिन पूर्व कहा था कि महिला अपराध के मामलों में राज्य सरकारों को कड़े कदम उठाने चाहिए, लेकिन राजस्थान की गहलोत सरकार ने सोनिया जी और राहुल जी के आदेश पर कड़े कदम उठाते हुए अपने ही एक मंत्री राजेंद्र गुढ़ा को बर्खास्त कर दिया, वह भी इसलिए कि श्री गुढ़ा ने दूसरे राज्यों में झाँकने की बजाय राजस्थान में लगातार महिलाओं बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाओं पर चिंता जताई थी और चर्चा कराने की मांग की थी। श्री गुढ़ा ने सदन में एक बहुत बड़ी बात भी कही कि प्रदेश में मुख्यमंत्री का इकबाल ख़त्म हो चुका है, राजस्थान में अराजकता का माहौल है, मुख्यमंत्री गहलोत विधानसभा न आते हैं और न ही जवाब देते हैं। राजस्थान के एक मंत्री द्वारा, जो साढ़े चार साल तक सरकार में रहे, अपने ही मुख्यमंत्री पर सवाल उठाना अपने आप में बड़ी बात है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में महिलाओं के साथ हो रही निर्मम घटनाओं पर भी वहां सत्ता में बैठे वरिष्ठ कांग्रेसी नेता शांति धारीवाल सदन के पटल पर कहते हैं कि बलात्कार इसलिए होते हैं कि यह मर्दों की भूमि है। श्री धारीवाल के इस बयान पर सदन में पूरे कांग्रेसी विधायक ठहाका लगाते हुए मजाक उड़ाते हुए नजर आते हैं।

उन्होंने सवाल किया, सोनिया जी, प्रियंका जी, राहुल जी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे जी क्या इस पर कुछ बोलेंगे भी या चुप्पी साधे रहेंगे। क्या राजस्थान में हो रहे महिला अपराध के लिए अशोक गहलोत जी अपने पद से इस्तीफा देंगे। प्रियंका वाड्रा जी उत्तर प्रदेश जाकर कहती हैं कि लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ, लेकिन राजस्थान नहीं जा सकती हूँ, बिहार पर मुंह में दही जमा सकती हूँ और बंगाल पर होंठ सील सकती हूँ।

एक दिन में लगाए 1.18 लाख पौधे

नोएडा। एनसीआर के सबसे ग्रीन शहर ग्रेटर नोएडा को और हरा भरा बनाने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने पौधरोपण अभियान शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री और गौतमबुद्ध नगर के प्रभारी मंत्री ब्रिजेश सिंह ने शनिवार को टेकजोन -7 में पौधे रोपित कर इस हरित अभियान का आगाज किया।

दादरी विधायक तेजपाल नागर ने टेकजोन 4 में पौधे लगाए। वहीं, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने अपने स्टाफ ऑफिसर वीपी नवानी के साथ सेक्टर गामा वन में पौधे लगाए। शनिवार को प्राधिकरण की तरफ से 1.18 लाख पौधे रोपित किए गए हैं। प्रभारी मंत्री ब्रिजेश सिंह सेक्टर ईकोटेक 7 में पहुंचे। वहां ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ आनंद वर्धन ने उनको पुष्प देकर स्वागत किया। मंत्री ने एसीईओ

आनंद वर्धन के साथ पौधे लगाए। कार्यक्रम में मौजूद स्कूली बच्चों से प्रभारी मंत्री मिले, उनका हौसला बढ़ाया। बच्चों के साथ फोटो भी खिंचवाए। इस दौरान गो ग्रीन फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने जूट के बने थैली भी वितरित किए। नेफोवा के प्रतिनिधि मनीष अवस्थी, दीपांकर जैन समेत ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक कपिल सिंह, राजेश कुमार व उत्सव निरंजन और विजय वाजपेई, प्रबंधक गौरव बघेल व प्रभात शंकर समेत अन्य अधिकारीगण भी मौजूद रहे। इसके बाद प्रभारी मंत्री ने सेक्टर ईकोटेक 10 में एडवर्ब टेक्नोलॉजी कंपनी के पास पौधे लगाए। वहीं, दादरी के विधायक तेजपाल नागर ने सेक्टर टेकजोन-4 में पौधे रोपित किये। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने सेक्टर गम वन में स्टाफ ऑफिसर वीपी नवानी के साथ पौधे लगाए। प्राधिकरण की अलग-अलग टीमों ने को अलग-अलग जगह पर 1.18 लाख पौधे लगाए। ये पौधे सेक्टर डेल्टा 1, डेल्टा टू के सेंटर वर्ज पर, सूरजपुर-कासना रोड, एनएच- 24 का लिंक रोड, सेक्टर 16 व 16बी की 10 मीटर, 20 मीटर , 30 मीटर, 50 मीटर और 100 मीटर चौड़ी ग्रीन बेल्ट, टेकजोन 7 की 100 मीटर चौड़ी ग्रीन बेल्ट, सेक्टर 2, नॉलेज पार्क-5, खैरपुर गुर्जर के 6% आबादी वाले भूखंड, सेक्टर -16 सी, दुजाना, बादलपुर और दादरी बाईपास पर पौधे लगाए गए। इसी तरह सेक्टर 37 के रोटरी, सेक्टर म्यू टू, म्यू-3 और डीएमआईसी, सेक्टर जीटा की रोटरी से सिरसा रोटरी तक, अस्तौली की ग्रीन बेल्ट, आरसी ग्रीन की ग्रीन बेल्ट और ईकोटेक वन एक्सटेंशन में पौधे रोपित किए गए।

शनिवार के पौधों पर अभियान में अपार्टमेंट आनर्स एसोसिएशन, विभिन्न सेक्टरों की आरडब्ल्यूए और फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूएज ने भी बढ़कर हिस्सा लिया।

हिंडन में बाढ़ से नोएडा के 12 गांवों में खतरा, चोटपुर और छिजारसी के निचले इलाकों में भरा पानी

नोएडा। पहाड़ों पर हो रही बारिश के चलते नोएडा में हिंडन नदी का जल स्तर बढ़ गया है। इसके चलते डूब क्षेत्र में बसे करीब 12 गांव इससे प्रभावित हुए है। जिनमें बाढ़ का पानी प्रवेश कर सकता है। पानी का फ्लो ज्यादा होने की वजह से हिंडन से सटे छिजारसी, चोटपुर इलाके में पानी भर गया है। यहां गांव में पुलिस की तरफ से अनाउंसमेंट कराई गई। उनसे कहा गया कि वो गांव और मकान छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर चले जाए। उनके लिए नोएडा के सेक्टरों में बने सामुदायिक केंद्रों में रहले और खाने की व्यवस्था जिला प्रशासन की ओर से की गई है। फिलहाल ज्यादा दिक्कत गाजियाबाद की तरफ से है। नोएडा में हिंडन नदी छिजारसी से प्रवेश करते हुए सेक्टर-63ए, बेहलोलपुर, शहदरा, सुथियाना, गढ़ी चौखंड़ी, सेक्टर-123, 118, 115, 143, 143ए, 148, 150, मोमनाथल के पास यमुना में मिलती है। हालांकि 24 घंटे में यमुना का जल स्तर तेजी से बढ़ सकता है। इसको लेकार दोबारा से यमुना के एरिया में अलर्ट किया गया है। ऐसे में यमुना के फार्म हाउस में वापस लौट रहे लोगों को रोक दिया गया है। साथ ही सावधानी बरतने के लिए कहा गया है। हिंडन का जलस्तर बढ़ने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने बताया कि वह करीब 10 वर्षों से यहां पर रह रहे हैं, लेकिन आज तक कभी भी उन्होंने हिंडन का जलस्तर इस तरह से बढ़ता हुआ नहीं देखा है।

आत्महत्या करने जा रहे युवक की पुलिस ने बचाई जान

लखनऊ सोशल मीडिया सेल ने दी थी जानकारी, घर की दिक्कतों से था परेशान

ग्रेटर नोएडा । एक बार फिर पुलिस की तेजी के चलते एक युवक की जान बच गई। एक युवक के द्वारा इंस्टाग्राम व फेसबुक पर आत्महत्या करने को लेकर एक वीडियो डाला गया था। जिस पर पुलिस मुख्यालय लखनऊ से गौतम बुध नगर पुलिस को इसकी जानकारी दी गई। जिसके बाद ईकोटेक-3 पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के माध्यम से युवक की लोकेशन प्राप्त कर उसे ढूंढ लिया और उसकी जान बचा ली। दरसअल पुलिस मुख्यालय लखनऊ की सोशल मीडिया सेल द्वारा शनिवार शाम को करीब 4 बजे सोशल मीडिया सेल कमिश्नरेट गौतम बुद्ध नगर को सूचना दी गयी कि फेसबुक और इंस्टाग्राम में एक युवक द्वारा सुसाइड करने सम्बन्धी

सूचना पोस्ट डाली गई है। सूचना को संज्ञान में लेकर मीडिया सेल गौतम बुद्ध नगर द्वारा तत्काल संबंधित थाना इकोटेक-3 को सूचित किया गया। इसी सूचना के आधार पर तत्काल थाना इकोटेक-3 पुलिस द्वारा इलेक्ट्रानिक सर्विलांस के माध्यम से लोकेशन प्राप्त करते हुए युवक की लोकेशन पर पंहुच कर युवक को ढूंढ निकाला गया। थाना इकोटेक-3 पुलिस द्वारा उस युवक से बातचीत करते हुये उसकी मानसिक स्थिति के अनुसार बात कर काउंसलिंग की गई। थाना इकोटेक-3 पुलिस द्वारा युवक से आत्महत्या के प्रयास का कारण पूछने पर बताया कि वह आरा मशीन पर मजदूरी करता है। पारिवारिक समस्या को लेकर परेशान था। जिस कारण उसने परेशान होकर सोशल मीडिया पर इस तरह की वीडियो डाल दी थी।

पुलिस द्वारा युवक से वार्ता व समझाने पर युवक की स्थिति सही हो पाई है। उसने भविष्य में इस प्रकार की कोई घटना कारित न करने का संकल्प लिया है। काउंसलिंग करने के उपरांत युवक को उसके परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। परिजनों द्वारा पुलिस के इस कार्य की सराहना की गई।

ओएसडी ने इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स का किया निरीक्षण

नोएडा । सेक्टर-151 में बन रहे गोल्फ कोर्स का आज ओएसडी लैंड देवेंद्र प्रताप सिंह ने डीजीएम श्री पाल भाटी, सर्किल-10 और सलाहकार कंपनी के साथ निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने परियोजना के देरी होने की वजह जानी साथ ही जल्द ही भूमि विवाद को निस्तारित करने के निर्देश भी दिए। वहीं यमुना में आई बाढ़ के कारण होने वाले देरी को भी ऐक्स्ट्रा टाइम देकर पूरा करने के लिए कहा गया। यमुना का जल स्तर बढ़ने से सेक्टर-151ए स्थित गोल्फ कोर्स का पूरी तरह से डूब गया था। इससे यहां पर जो मिट्टी का काम हो रहा था, वह पूरी तरह से बर्बाद हो गया है। इस काम को करने के लिए अतिरिक्त 15 दिन का समय लगेगा। ऐसे में निर्माण कार्य 15 दिन आगे खिसक गया है। निर्माण कार्य पूरा होने में देरी हो सकती है। गोल्फ कोर्स के पूरे एरिया को कवर करने के लिए 3800 मीटर की बाउंडरी वाल बनाई जानी है। इसमें 400 मीटर हेलीपोर्ट की बाउंडरी होनी है। जबकि 1850 मीटर बाउंडरी वाल का निर्माण पूरा कर लिया गया है। सर्किल-10 के वरिष्ठ प्रबंधक केवी सिंह ने बताया कि ग्राम झटटा में खसरा नंबर-464 की बैनामा पत्रावली पर काम किया जा रहा है इसके अलावा ग्राम कामबक्शपुर के खसरा संख्या-130,133,128,120,275,89, 91 में किसानों की ओर से व्यवधान किया गया है। इसमें खसरा संख्या 275, 120, 128 की पैमाइश कराई जा चुकी है। भू लेख विभाग की ओर से इसका निपटारा किया जा रहा है। वहीं खसरा संख्या 96 और 98 की भूमि का अर्जन किया जाना शेष है। वर्तमान में गोल्फ कोर्स का 43 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसे पूरा बनाने में करीब 100 करोड़ रुपए लगेंगे। अब तक 26.8 करोड़ रुपए खर्च हो चुके है। गोल्फ कोर्स की सदस्यता से आने वाले पैसे का उपयोग निर्माण में किया जा रहा है। अब तक 1000 लोगों ने सदस्यता ली है। जिसमें से 68 लोगों ने रिफंड लिया। 169 लोगों से ज्यादा ने 100 प्रतिशत यानी 10 लाख रुपए जमा कर दिए है।

जनरल श्रेणी के 459, स्टेट के 170 और सेंट्रल के 370 लोगों ने सदस्यता ली है। दरअसल, गल्फ कोर्स निर्माण के दौरान यह योजना बनाई गई कि इसकी सदस्यता से करीब 150 करोड़ रुपए प्राधिकरण जुटाएगा। इसमें से 100 करोड़ रुपए प्राधिकरण निर्माण कार्य में खर्च करेगा। वहीं, 50 करोड़ रुपए अतिरिक्त बचत होगी। प्राधिकरण ने सेक्टर-151 के सदस्यता के लिए एक मुश्त 100 प्रतिशत राशि देने वाले को सेक्टर-38 के गोल्फ कोर्स में खेलने का ऑफर दिया है। गोल्फ कोर्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाया जा रहा है। इसमें कुल 18 होल होंगे। कुल 128 एकड़ में गोल्फ कोर्स का निर्माण इसमें 94.369 एकड़ में गोल्फ एरिया, 6.895 एकड़ में क्लब और पार्किंग एरिया, 7.910 एकड़ में ड्राइविंग रेंज एरिया, 4.702 एकड़ में एनटी लाइन एरिया, 9.289 एकड़ में हेलीपोर्ट और 4.614 एकड़ में हेलीपोर्ट एप्रोच रोड एरिया।

सीमा से 18 घंटे पूछताछ, जांच एजेंसियां उलझन में

पूछताछ के दौरान अचानक रोने लगती है, आईक्यू और एटीट्यूड टेस्ट हो सकते हैं

नोएडा। क्या सीमा प्यार में पाकिस्तान से नोएडा आई? यह गुत्थी सुलझने के बजाय और उलझती जा रही है। वजह है कि हर सवाल का सटीक जवाब और कॉन्फिडेंस। सीमा ने 18 घंटे के पूछताछ में जिस तरह से बेबाकी से जवाब दिया, जैसे उसे किसी ने ट्रेंड किया है। एजेंसियों को शक है कि सीमा के भारत आने का मकसद कुछ और ही है। यही नहीं, इंट्रोगेशन के दौरान सीमा जिस कॉन्फिडेंस से जवाब दे रही थी। उसे देखकर लगता है कि वह अब भी काफी कुछ छिपा रही है। इसलिए अब जांच एजेंसियां सीमा का साइकोलॉजिकल टेस्ट करवा सकती है। इसे लेकर एजेंसियों के बीच मंथन चल रहा है। एजेंसियां IQ, Attitude और सेक्सोलॉजिकल टेस्ट से सीमा के दिमाग को जांचेंगी। माना जा रहा है कि एजेंसियां टेस्ट की परमिशन के लिए जल्द ही कोर्ट जाएंगी। सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान अफसरों ने परखा कि सवालों से बचने के लिए सीमा अचानक रोने लगती थी और फिर मुस्कुराकर जवाब देने लगती थी। सचिन से सवालों पर यह कहती दिखी कि उसकी कोई गलती नहीं। जो भी सवाल है, उससे पूछे जाएं। सबसे ज्यादा शक इस बात पर पैदा हो रहा है कि सीमा ने किसी सवाल पर आपा नहीं खोया। अक्सर देखा जाता है कि एजेंसियां जब भी अपनी तरह से पूछताछ करती हैं तो सामने वाले के पसीने छूट जाते हैं। इसके अलावा 18 घंटे की पूछताछ के 2 दिन बाद सीमा ने फिर से मीडिया में इंटरव्यू दिया। उसने उन लोगों को झूठा करार दिया, जिन्होंने सीमा के झूठ को प्रमाणित किया। इसमें बस सर्विस एजेंसी, नेपाल के होटल मालिक और पशुपति नाथ मंदिर का बयान शामिल है। फिलहाल, सीमा और सचिन दोनों ही बीमार है, जिनका इलाज रबुपुरा (ग्रेटर नोएडा) के डॉक्टर कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसियों को लगता है कि कहीं न कहीं कोई है, जिसने सीमा को ट्रेंड किया है। सीमा का भारत आना, 50 दिन तक यहां रहना, फर्जी आधार कार्ड बनवाना, पकड़े जाना और बेल होना। पहले पुलिस फिर तमाम जांच एजेंसियों की पूछताछ में बेबाक जवाब और मीडिया से बातचीत के दौरान कहीं अटकना

नहीं। सिर्फ रटी रटाई बातें ही बताना। ये जानना काफी अहम है कि सीमा का आई क्यू लेवल कितना स्ट्रॉन्ग है। नेपाल के होटल मैनेजर ने बताया था कि सीमा ने किसी दूसरे नाम से एंट्री की। जबकि सीमा ने कहा कि सचिन एक दिन पहले वहां पहुंचे। मेरी वहां कोई एंट्री नहीं। ट्रैवल एजेंट से बस बुकिंग के दौरान उसने अपने चारो बच्चों के गलत नाम लिखवाए और अपना नाम सीमा मीना लिखवाया, ताकि वो अपने को हिंदू बता सके। अपनी उम्र को लेकर उसने कहा कि पाकिस्तान में ऐसा होता है कि वहां चार से पांच साल कम उम्र लिखवाई जा सकती है। गुलाम हैदर से मेरा कोई रिश्ता नहीं, दोनों के बीच तलाक हो गया था तो भी पैसा भेजता था। सीमा ने बताया कि सोनौली बॉर्डर से भारत में प्रवेश किया, जबकि ATS पूछताछ में उसने सिद्धार्थ नगर बॉर्डर बताया। मोबाइल का टूटा होना, सिम तोड़ना जैसी कई बातें, जिनका एनालिसिस जरूरी है। मनोवैज्ञानिक (साइकोलॉजिकल) टेस्ट एक ऐसी प्रक्रिया है, इसमें कई मनोवैज्ञानिक टेस्ट किए जाते हैं। इन टेस्टों की मदद से किसी व्यक्ति के व्यवहार, व्यक्तित्व और उसकी कार्य क्षमताओं का अंदाजा लगाया जाता है। इसमें सीमा का आईक्यू टेस्ट, एटीट्यूड टेस्ट, इंटरेस्ट टेस्ट, एप्टीट्यूड टेस्ट, न्यूरोसाइकोलॉजिकल टेस्ट, पर्सनालिटी टेस्ट, सेक्सोलॉजिकल टेस्ट शामिल हैं। सेक्सोलॉजिकल टेस्ट आमतौर पर ह्यूमन सेक्सोलॉजी बिहेवियर के लिए किया जाता है। इसमें किसी व्यक्ति का सेक्सुअल इंटरेस्ट और बिहेवियर शामिल हैं। इस टेस्ट के जरिए किसी भी व्यक्ति की सोशियोलॉजी और क्रिमिनोलॉजी समझने की कोशिश की जाती है। साथ ही उसके रिलेशनशिप, प्रजनन (बच्चे पैदा करने की स्थिति) के बारे में जानकारी जुटाई जाती है।

संक्षिप्त डायरी

एक महिला ने ससुरालवालों पर दहेज के कारण से घर से निकालने का मुकदमा दर्ज कराया

नोएडा । नोएडा में जेवर थाना क्षेत्र के झुप्पा गांव की एक महिला ने अपने ससुरालवालों पर दहेज की खातिर कथित रूप से उसके तथा उसके पिता के साथ मारपीट करने का मुकदमा दर्ज कराया है। थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि सोनम ने बीती रात रिपोर्ट दर्ज कराई है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुराल पक्ष के लोगों ने 15 जुलाई को उसके साथ मारपीट की जिसके बाद अपने मायके आ गई। पीड़िता का आरोप है कि जब उसके पिता समझाने गए तो आरोपियों ने उनके साथ भी जमकर मारपीट की और अत्यंत गंभीर हालत में उन्हें नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस के अनुसार 2016 में सोनम की शादी झुप्पा गांव के प्रदीप के साथ हुई थी। पीड़िता का आरोप है कि शादी के समय से ही उसके ससुराल पक्ष के लोग दहेज की मांग कर रहे हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर उसके पति प्रदीप, ससुर बलबीर, सास सुमन, देवर हरन तथा लोकेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घर बैठे लाखों कमाने का झांसा देकर 4 लाख 93 हजार ठगे

नोएडा । साइबर ठगों ने भंगेल में रहने वाले युवक को घर बैठे यूट्यूब पर वीडियो लाइक, शेयर और रिव्यू करने पर कमाई का झांसा देकर उनसे 4 लाख 93 हजार रुपये की ठगी कर ली है। जालसाजों ने युवक को एक टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ कर ठगी की वारदात को अंजाम दी है। पीड़ित ने इसकी शिकायत फेस दो थाने में दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में रोबिन राजपूत ने बताया कि उनके पास एक कुछ दिन पहले व्हाट्सऐप पर एक मैसेज आया। इसमें पार्ट टाइम जॉब के जरिये रुपये कमाने की बात कही गई थी। उन्होंने मैसेज में दिए नंबर पर कॉल की। एक व्यक्ति ने उनकी कॉल को उठाया और खुद को कंपनी मैनेजर बताया। आरोपी ने उनको घर बैठे काम करने के बारे में काफी देर तक समझाया। इस दौरान उनको एक टेलीग्राम के ग्रुप में जोड़ दिया गया। इसके बाद उनको हर रोज कुछ ई-कॉमर्स कंपनी के पेज और यूट्यूब चैनल के वीडियो पर रिव्यू और शेयर करने का टास्क दिया गया। इससे उनको कुछ कमाई हुई। कुछ दिन बाद ठगों ने उनको प्रीमियम टास्क देकर उनसे कुल 4 लाख 93 हजार निवेश करा लिए। जब युवक ने जालसाजों अपने से रुपये वापस मांगे तो उनको टेलीग्राम ग्रुप से बाहर कर दिया गया। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज करा जांच शुरू कर दी है।

पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर चार लाख 76 हजार ठगे

नोएडा । एक्सप्रेस-वे क्षेत्र के नगला नगली गांव में रहने वाले एक व्यक्ति से अज्ञात साइबर ठगो ने पार्ट टाइम जॉब के नाम पर अपने जाल में फंसा कर 4 लाख 76 हजार रुपए ठग लिया। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि सेक्टर 134 स्थित नगला नगली गांव में रहने वाले अभिषेक कुमार झा ने शुक्रवार को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह अपना टेलीग्राम अकाउंट चेक कर रहे थे, तभी उन्हें ऑफर मिला की घर बैठे पार्ट टाइम जॉब करने पर उन्हें मोटी रकम का मुनाफा हो सकता है। उन्होंने बताया कि अज्ञात साइबर ठगों ने वीडियो लाइक करने के लिए उन्हें एक टास्क दिया तथा अपने जाल में फंसा कर उनसे विभिन्न खातों में 4 लाख 76 हजार रुपये डलवा लिया। बाद में आरोपियों ने उन्हें टेलीग्राम से ब्लॉक कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कर्नाटन मे जैन मुनि की हत्या पर समाज ने मोंन जूलूस निकाला

नोएडा । सेक्टर-27 स्थित विराजमान आचार्य श्री108 अनेकांत सागर महाराज के सानिध्य में जैन समाज द्वारा मोंन जूलूस निकाला गया। जूलूस श्रीमंदिर से शुरू होकर टेलीफोन चौराहा होते हुए डीएम चौराहा से कैलाश हास्पिटल पर सासंद डॉ महेष शर्मा को ज्ञापन सौपा। जैन समाज नोएडा के अध्यक्ष पवन जैन ने बताया कि विशाल मौन जूलस में बड़ी सख्यां में श्रद्धालु ने हिस्सा लिया। इसके माध्यम से केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार से साघू संतो की सुरक्षा के लिए विशेष सुरक्षा प्रदान की जाए और जघन्य अपराध करने वाले आपराधियों को फास्ट्रेक कोर्ट के द्वारा शीघ्र सुनाई कर-के सजा दी जाने की मांग रखी। उन्होंने बताया कि कर्नाटर में जैन मुनि की निर्मम हत्या पर जैन समाज की भावनाए आहत हुई है। वही समाज में काफी आक्रोश है, इसे लिए समाज द्वारा शांतिपूर्ण प्रदर्शन द्वारा अपनी भावना को व्यक्त किया है। इस प्रदर्शन में लगभग 15 जैन समाज के सगंठनों ने हिस्सा लिया।

बीस सेक्टर में बिजली कटौती से दिक्कत

नोएडा । शहर में शनिवार को 20 से अधिक सेक्टरों में तीन से चार घंटे तक बिजली गुल रही। कुछ स्थानों पर वोल्टेज की भी दिक्कत हुई। सेक्टर-82 में शनिवार को चार घंटे बिजली गुल रही है। सेक्टर-45 बरौला में देर रात से लेकर सुबह तक बिजली गुल रही है। स्थानीय निवासी कर्मवीर ने बताया कि क्षेत्र में लगातार बिजली गुल हो रही है। सेक्टर-130 में लगातार लो वोल्टेज की समस्या बनी हुई है। सेक्टर-49, 63, 108, 56, 27, 102, 112, 117, 82, 44, 100, 99, 71, 72, 73, 121, 122 समेत अन्य सेक्टरों में तीन से चार घंटे बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। सफाबाद, मामूरा, बहलोलपुर, नंगली वाजिदपुर, नंगली साखपुर, छलेरा, सदरपुर, बरौला, हरौला समेत गांवों में भी कटौती की समस्या रही। सेवन एक्स समेत दूसरे क्षेत्र की सोसायटियों में भी बिजली कटौती हो रही है।

ग्रेटर नोएडा में युवक को सांप के जोड़े ने डसा: युवक की मौत, गुस्साए ग्रामीणों ने पीट-पीटकर नाग-नागिन को मार डाला

ग्रेटर नोएडा । जारचा थाना क्षेत्र के ऊंचा अमीरपुर गांव में शुक्रवार देर रात लगभग दो बजे सांपों के आतंक से पूरे गांव में दहशत हो गई। ऊंचा अमीरपुर गांव में सोते समय नाग और नागिन ने एक युवक को डस लिया। जिसमें युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने नाग और नागिन की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। सावन के महीने में यूं तो नाग नागिन के जोड़े को देखना शुभ माना जाता है लेकिन इसी नाग नागिन के जोड़े ने पूरे घर को रुलाने के लिए मजबूर कर दिया। दरअसल जारचा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ऊंचा अमीरपुर गांव में रात लगभग 2:00 बजे घर में सो रहे सोनू (25)नाम के युवक को सांप ने डस लिया। जैसे ही उस युवक को सांप ने डसा, आनन-फानन में उसको इलाज के लिए ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि रात लगभग 2 बजे छोटा यादव के घर में एक सांप निकला। उसी दौरान गांव में रहने वाले सोनू को भी नाग ने डंस लिया। जिसके बाद सोनू को नजदीकी अस्पताल में ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गांव वालों की मानें तो सोनू के पिता की कुछ दिन पहले ही मृत्यु हुई थी। उसकी शादी को हुए महज 2 साल हुए थे। सोनू का एक बच्चा भी है। घर में कमाने वाला सिर्फ एक सोनू ही था। जिससे परिवार का पेट पल रहा था। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने नाग और नागिन को मार डाला। फिलहाल पूरे गांव में सोनू की मौत के बाद गम का माहौल है। साथ ही सांपों के निकलने से दहशत का भी माहौल है। ग्रामीणों ने मृतक के परिवार को सरकार के द्वारा सहायता राशि देने की मांग की है।

डिलीवरी के दौरान महिला की मौत, गुस्साये परिजनों ने किया हंगामा

रतिया। गांव हांसपुर की गर्भवती महिला पवनीत कौर की डिलीवरी के दौरान मौत हो जाने के पश्चात महिला के परिजनों व अन्य जानकारों ने शहर के टोहाना रोड स्थित एक निजी अस्पताल के प्रति रोष जाहिर करते हुए जमकर हंगामा किया। महिला की मौत के मामले में महिला के परिजनों ने उक्त अस्पताल पर डिलीवरी के दौरान गंभीर लापरवाही के आरोप लगाते हुए अस्पताल से शव उठाने को मना कर दिया। परिजनों ने आरोप लगाये कि उनकी पुत्रवधू की मौत अत्यधिक रक्त स्राव के चलते उक्त अस्पताल में हो गई थी, लेकिन अस्पताल प्रशासन ने अपनी गलती छुपाने के लिए मौत होने के बावजूद भी उन्हें पुत्रवधू का इलाज कराने के लिए टोहाना रेफर कर दिया। वहीं इस मामले को लेकर उक्त अस्पताल के संचालक अर्षदीप ने महिला के इलाज में लापरवाही के आरोपों को निराधार बताया।

घटनाक्रम की सूचना मिलने पर शहर थानाध्यक्ष जय सिंह मौके पर पहुंचे व परिजनों को समझाते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में भिजवा दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयानों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

झौंपडियों में पल रहे हैं डाक्टर, इंजीनिर पुलिस अफसर और सेना के साथ बिजनेस मैन बनने के सपने

करनाल। करनाल के सैक्टर 32 में नरसिंह विलेज के पास स्थित झुग्गी झौंपडियों में तेरह साल पहले एक शुरूआत शिक्षा को लेकर की गई थी। वह आज बड़े अभियान का स्वरूप ले चुकी हैं। इस क्षेत्र में मजदूरों और घरों पर काम करने वाले मजदूरों दूर दराज से आए रोजगार की तलाश में जिनके घर नहीं ळैं। यहां पर टपरी बना कर रह रहे हैं। यहां पर मजदूरों के बच्चों के मन में हजारों सपने हैं। कोई डाक्टरी तो कोई इंजीनियर तो कोई पुलिस अफसर और कोई सेना में जाकर सेवा करना चाहते हैं। यहां पर इन बच्चों के आंखों में जन्म लेने का सपना आज से तेरह साल पहले निफा के प्रमुख प्रीतपाल सिंह पन्नू ने उठाया था। आज इन झौंपडियों में नियमित कक्षाएं लग रही ळैं। यहां पर पोजेक्ट साक्षरता करनाल कबे उद्यमी कनिष्क गुप्ताक` बेटे हार्दिक गुप्ता मनस्वी गुप्ता तथा उनके तीस साथियों द्वारा चलाया जा रहा हैं। यहां पर रहने वाले बच्चे आज डीपीएएस सैंट थेरेसा कान्वेंट सकूल में पढ़ते हैं। आज यहां पर सुखद प्रसंग दिखाई दिया। बड़े घरों के बच्चे यहां पर रहने वाले बच्चों को पढ़ाने के लिए आए थे। यहां हार्दिक हो या फिर मनस्वी हो तान्या हो या फिर युविका हो यर फिर रणबीर हो सभी यहां पर बच्चों को तन्मयता से पढ़ा रहे थे। गरीब और अमीर को एक साथ पढ़ते पढ़ाते देख पंडित दीन दयाल उपाध्याय का एकात्म मानवता वाद पंडित राम मनोहर लोहिया, आचार्य नरेंद्र देव जी का समाजवाद साकार होता दिख रहा था। यहां पर प़्ाने के लिए देहरादून दि ल्ली करनाल के पब्लिक सकूलों से आए थे। सभी बड़े घरानों के बच्चे थे। इन बच्चों के बीच समन्वय स्थापित करने का काम महिला उद्योगपति श्वेता गुप्ता कर रही थी। यहां बच्चों के अभिभावक भी आए थे। श्वेता गुप्ता ने बताया कि वह यहां आकर खुश ळैं। उन्होंने कहा कि बच्चे यहां आकर अपने सामाजिक दायित्व को समझ रहे हैं। उन्हें यह देख कर खुशी हो रही ळैं कि वे गरीबों को गले से लगा रहे हैं। यहां पर केयर क्लास की प्रमुख टीचर अनीता जो रिटायर्ड टीचर हैं वह यहां पर सेवा दे रही ळैं। उन्होंने बताया कि यहां श्वेता जी लिबर्टी की तरफ से बच्चों को यूनीफार्म और शूज दे रही हैं। जेसीआई वाले भी फर्नीचर दे जाते हैं। यहां पहुंची अभिभावक वर्षा ने बताया कि उन्हें यह देख कर खुशी हो रही हैं कि बच्चे ऐसा कर रहे हैं। आज यहां के बच्चे दसवी कक्षा में पहुंच चुके हैं। यहां पर आज वारिश के बीच बच्चे झौंपड़ी में मोवाइल टार्च की रोशनी में पढ़ते पढ़ाते दिखाई दिए।

छोटे बच्चों की आंखों में हैं आसमान से ऊंचे सपने- करनाल की इन झौंपडियों में पलने वाले बच्चों की आंखें में सपने हैं। यहां कोई चचा इंजीनियर बनना चाहता हैं तो कोई बच्चा डाक्टर तो कोई बच्चे सेना तो कोई पुलिस में जाना चाहता हैं। संजना ने बताया कि वह डाक्टर बनना चाहती हैं। उसने अंग्रेजी में अपना नाम बताया। फर्राटे दार अंग्रेजी बोलते देख लगा कि अब इनके दिन भी बहुरने वाले हैं। यहां बच्चे ईच वन टीच वन की तर्ज पर काम कर रहे हैं। अमन ने बताया कि उसे यहां अच्छा लग रहा हैं। शिव कुमार ने बताया कि वह इंजीनियर बनना चाहता हैं। उमेश ने बताया कि वह पढ़ना चाहता हैं। मान्या लक्ष्मी ने बताया कि वह पुलिस अफसर बना चाहती है। उमेश सेना में जाकर देश्या सेवा करना चाहता है। इसी तरह मासन्या प्रज्ञांसी,सोनी के अलग अलग सपने रहे। इन बच्चों में कोई मिलेनियम वोय तो कोई मिलेनियम गर्ल बनने की चाहत हैं।

समाज के लिए कुछ कर गुजरने का जजबा हैं बड़े परिवारों के बच्चों मेंय्यहां पर बच्चों से कुछ सीखने कुछ सिखाने के लिए पहुंचे इन बच्चों को टपरीवासी बच्चों के साथ समय विताते देख लग रहा था कि कि यहां एकासत्म मानवताबाद सजीव हो रहा हैं। करनाल के इस इलाके में प्रोजेक्ट साक्षरता हार्दिक और मनस्वी ने दो साल पहले शुरू किया। आज तीस बच्चे इस काम में लगे हैं। हार्दिक की टीम में मनस्वी का कहना है उसे मजा आ रहा ळैं। बच्चों के चेहरे पर चमक दिख रही हैं। लावन्या ने बताया कि उसे सामाजिक जिम्मेदारी का अहसास हो रहा हैं। युविका ने बताया कि वह बच्चों को सिखा रही ळैं इन बच्चों को बहुत कुछ आता हैं। मान्या ने बताया कि वह साइकालोजिस्ट बनना चाहती हैं।

जनहित में सरकार ने शुरू किया ऑटो अपील सिस्टम : उपायुक्त अनीश यादव

करनाल। उपायुक्त अनीश यादव ने बताया कि खुशहाल हरियाणा-समृद्ध हरियाणा थीम के साथ वर्तमान हरियाणा सरकार द्वारा निरंतर सुशासन की दिशा में सार्थक कदम बढ़ाए जा रहे हैं। हरियाणा सरकार द्वारा नागरिकों की सुविधा व उनके अधिकारों को ध्यान में रखते हुए ऑटो अपील सिस्टम सॉफ्टवेयर (आस) शुरू किया है।

उपायुक्त ने बताया कि सरकार द्वारा शुरू किए गए आस पोर्टल से अगर किसी व्यक्ति का कार्य राइट टू सर्विस एक्ट के तहत निर्धारित समय सीमा में नहीं होने पर ऑटो अपील सॉफ्टवेयर के तहत आवेदन अपीलेट अथॉरिटी में चला जाएगा। अपीलेट अथॉरिटी के दायरे में भी काम नहीं होने पर आवेदन आगे वरिष्ठ अधिकारी के पास चला जाएगा। अगर इन दोनों स्तरों पर भी कार्य का निपटान नहीं होगा तो आवेदन स्वतं ही राइट टू सर्विस कमीशन के पास आ जाएगा। यह कदम सरकार ने जनहित को ध्यान में रखते हुए प्रशासनिक कार्यशैली को जवाबदेह, पारदर्शी, निष्पक्ष और प्रभावी बनाने के मद्देनजर उठाया है।

उपायुक्त अनीश यादव ने बताया कि आमजन से सीधे जुड़े विभिन्न सरकारी विभागों की सैकड़ों सेवाएं सेवा का अधिकार अधिनियम के दायरे में नोटिफाई की हुई हैं। इनमें से 277 सेवाएं ऑनलाइन सरल पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध करवाई जा रही हैं। आस आमजन के अधिकारों को सशक्त बनाने की दिशा में सरकार का एक अहम कदम है। उन्होंने सॉफ्टवेयर का मुख्य उद्देश्य बताते हुए कहा कि अगर किसी व्यक्ति का काम समय पर नहीं होता और वह काम सेवा का अधिकार अधिनियम के दायरे में आता है तो ऑटो अपील सॉफ्टवेयर के तहत आवेदन अपीलेट अथॉरिटी में चला जाएगा। हर स्तर पर निर्धारित समयावधि के दौरान अपील पर एक्शन होगा। ऑटो अपील सॉफ्टवेयर के शुरू होने से लोगों के कार्य एक निर्धारित समय सीमा के अंदर हो रहे है। राइट टू सर्विस एक्ट के दायरे में आवेदक को सरकारी सेवाएं और योजनाओं का समयबद्ध लाभ देना संबंधित विभाग और अधिकारी का सेवा दायित्व है।

पीएम फसल बीमा योजना से हो रहा मोह भंग !

चंडीगढ़। हरियाणा में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से किसानों का मोह भंग होने लगा है। पिछले कुछ वर्षों से इस योजना के तहत किसानों के नामांकन में लगातार गिरावट आई है। पंजाब और हरियाणा में चले किसान आंदोलन के बाद किसानों की इस योजना के प्रति रुचि कम हुई। मुआवजे में देरी सहित कई शिकायतों के कारण किसान इस योजना से मुंह फेर रहे हैं। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को एक सवाल के जवाब में बताया कि वर्ष 2019 में खरीफ फसल के लिए हरियाणा में 8.2 लाख किसानों ने पीएमएफबीवाई के तहत अपना नाम दर्ज कराया था। वर्ष 2020 में 8.88 लाख किसानों ने नाम दर्ज कराया था। 2021 में 7.40 लाख नामांकन हुए। यह संख्या 2022 में मामूली सुधार के साथ 7.42 लाख हो गई। वर्ष 2021-22 में संख्या 7.17 लाख हो गई।

लक्ष्य सच्चा व विश्वास पक्का हो तो सफलता निश्चित : ज्ञानानंद

कुरुक्षेत्र। हरियाणा कला परिषद द्वारा गीता ज्ञान संस्थानम में आयोजित 20 दिवसीय बांसुरी वादन कार्यशाला का शनिवार को समापन हो गया। कार्यशाला में प्रशिक्षक डॉ. मनीश कुकरेजा ने 20 विद्यार्थियों को बांसुरी वादन के गुर सिखाये। समापन अवसर पर स्वामी ज्ञानानंद विशेष तौर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में हरियाणा कला परिषद के निदेशक संजय भसीन बतौर मुख्यातिथि के तौर पर मौजूद रहे व कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संगीत विभाग की प्रोफेसर व डीन स्टूडेंट वेलफेयर शुचिस्मिता विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं। स्वामी ज्ञानानंद ने विद्यार्थियों को बांसुरी सिखाने के प्रयास के लिए डा. मनीश कुकरेजा की सराहना करते हुए कहा कि यदि लक्ष्य सच्चा, भाव अच्छा व विश्वास पक्का हो तो सफलता निश्चित ही मिलती है। इसी प्रकार डा. मनीश कुकरेजा सच्चे लक्ष्य व अच्छे भाव से बांसुरी वादन में कार्य कर रहे हैं, जोकि सराहनीय है। इस अवसर पर स्वामी ज्ञानानंद ने अतिथियों को स्मृति चिह्न व कार्यशाला प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर हरियाणा कला परिषद के कार्यालय प्रमुख धर्मपाल व गीता ज्ञान संस्थान के आचार्य देवेंद्र, आचार्य वेद प्रकाश मिश्रा, सुलोचना बत्रा, केके कौशल, राजकीय विद्यालय के प्राचार्य डॉ सचिन्द्र कुमार व प्रसिद्ध गायक अमरजीत सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

गुड़गांव नागरिकों का मणिपुर घटना पर कैंडल मार्च

गुड़गांव। मणिपुर घटना का शर्मनाक वीडियो जब वायरल हुआ, तो लोगों के होश उड़ गएद्य महिलाओं प्रति अत्याचार कई वर्षो से होते रहे हैं और शायद आगे भी होते रहेंगे लेकिन जिस तरह एक चुनिंदा सरकार और पूरा प्रदेश प्रशासन ढाई माह तक कोई कार्यवाही नहीं करता ये अविश्वसनीय हैद्य डॉ सारिका वर्मा ने बताया वीडियो देखकर मन इतना खराब हुआ और सोचा अपने आंसुओं को कैंडल मार्च के रूप में आक्रोश मैं बदलना ज़रूरी हैद्य समाजसेवी माइकल सैनी ने कहा महिलाओं का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तानद्य मुकेश डागर ने कहा मणिपुर सरकार को भंग करके तुरत प्रभाव से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए महिला नेत्री सुशीला कटारिया ने कहा ÷मोदी जी का गुजरात मॉडल चाहिए था , मणिपुर में गुजरात मॉडल का नमूना पेश कर दिया अनुराधा शर्मा ने दुहाही दी कैसी गूँगी बाहरी और निकम्मी सरकार है जो 3 महीने से प्रदेश जल रहा है , घर उजड़ रहे हैं, महिलाएं अपमानित हो रही हैं और प्रधानमंत्री विदेश में फोटो खिंचने में मगन है

धीरज यादव, सतबीर यादव, मीनू सिंह, अंजलि राही, मंजू सांकला, वीणा हंस, सचिन शर्मा, पारस जुनेजा, सिद्धांत गुप्ता, हरि सिंह चौहान, शत्रुंजय,चिराग, निखिल कालरा, निखिलेश, सरबजीत, सुनील गेहलोत,नितिन बत्रा, मनिंदर करण लोहिया, रंजनी वर्मा सहित कई साथी ने रोश प्रकट कियाद्य सामाजिक और सामान्य लोगो ने इस मार्च कर हिस्सा बनकर अपने दर्द का इज़हार किया द्य पंकज डाबर, संतोख सिंह, जे सिंह, नवनीत रोजखेड़ा, राजबीर पंवार और भी समाजसेवी लोगो ने बढ चढ कर हिसा लिया

फसल अवशेष प्रबंधन के लिए किसानों को दिया जाएगा कृषि यंत्रों पर अनुदान

करनाल। उपायुक्त अनीश यादव ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के प्रोत्साहन हेतु कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा द्वारा वर्ष 2022-23 के दौरान फसल अवशेष प्रबंधन योजना के अंतर्गत कृषि यंत्र जैसे कि सुपर एसएमएस, बेलिंग मशीन, हैप्पी सीडर, रोटरी स्लेशर /श्रब मास्टर, पैडी स्ट्रॉ चोपर/ मल्चर, रिवर्सिबल प्लो, जीरो टिल ड्रिल, सुपर सीडर, ट्रेक्टर चालित/ स्वचालित क्रॉप रीपर / रीपर कम बाईंडर पर अनुदान देने के लिए आवेदन स्वीकार किये जा रहे हैं।

उपायुक्त ने बताया कि पंजीकृत किसान समूह/ किसान उत्पादक संगठन/ ग्राम पंचायत को कस्टम हायरिंग सेन्टर स्थापित करने के लिए 80 प्रतिशत या अधिकतम अनुदान राशि व व्यक्तिगत श्रेणी में 50 प्रतिशत या अधिकतम अनुदान राशि दी जायेगी। विभाग के पोर्टल agriharyana.gov.in पर आज 23 जुलाई रविवार को आवेदन करने का अंतिम दिन रहेंगा, योजना का लाभ लेने के इच्छुक किसान अपना आवेदन कर सकते है।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप निदेशक डा. आदित्य प्रताप डबास ने बताया कि व्यक्तिगत लाभार्थी की श्रेणी में आवेदन करने के लिए किसान का मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकृत होना अनिवार्य है। किसान के नाम रजिस्टर्ड ट्रैक्टर की वैध आर.सी, परिवार पहचान पत्र, पैन कार्ड, आधार कार्ड, स्वयं घोषणा पत्र, जमीन का विवरण एवं बैंक खाता एवं की आवश्यकता होगी। अनुसूचित जाति के किसान के लिए जाति प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त एक किसान विभिन्न प्रकार के अधिकतम 3 कृषि यंत्र ही ले सकता है और जिन किसानों ने पिछले 2 वर्षों में जिन कृषि यंत्रों पर अनुदान लिया है, वे इस स्कीम में उस यंत्र पर आवेदन करने के लिए पात्र नहीं होंगे। ऑनलाइन आवेदन करने के लिए किसान को टोकन राशि 2500 रुपये एवं 5000 रुपये अलग-अलग कृषि यंत्र की अनुदान राशि के अनुसार ऑनलाइन ही जमा करवाने होंगे।

कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना हेतु आवेदन करने के लिए समिति का पंजीकरण, पैन कार्ड, ट्रेक्टर की आर. सी., बैंक खाते का विवरण व प्रधान का आधार कार्ड आवश्यक है। इस श्रेणी में कम से कम 3 यंत्र व अधिकतम 5 यंत्र लिए जा सकते है। स्कीम की दिशा-निर्देशानुसार कस्टम हायरिंग सेंटर्स की स्थापना में रेड जोन व येलो जोन के गाँवों को वरीयता दी जायेगी।

इस स्कीम के तहत अनुदान देने के लिए सारी प्रक्रिया का संचालन जिला स्तरीय कार्यकारी कमेटी द्वारा किया जाएगा, जिसके चेयरमैन माननीय उपायुक्त हैं। अधिक जानकारी के लिए उप निदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग तथा सहायक कृषि अभियन्ता, करनाल के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

नेहरा खाप के युवा प्रदेश अध्यक्ष से मांगी 20 लाख की रंगदारी

रोहतक। नेहरा खाप युवा के प्रदेश अध्यक्ष संदीप नेहरा को किसी ने व्हाट्सएप कॉल कर 20 लाख रुपए की रंगदारी मांगी है। फिरौती न देने पर गोली मारने की धमकी दी है। संदीप नेहरा ने महम थाने में शिकायत देकर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया है। गांव निंदाना निवासी संदीप नेहरा ने बताया कि शनिवार सुबह उसके पास एक व्हाट्सएप कॉल आई।

फोन करने वाले ने कहा कि वह कनाडा से बोल रहा है और एक महीने के अंदर 20 लाख रुपए का प्रबंध कर लेना। रुपए नहीं दिए तो गोली मार दी जाएगी। आप कहां आते-जाते हो इसकी पूरी हिस्ट्री उसके पास है। उसके बाद फोन डिस्कनेक्ट हो गया। फोन पर कुल 41 सैकेंड बात हुई है। संदीप नेहरा ने बताया कि करीब एक सप्ताह पहले भी उसके पास इसी तरह की काल आई थी। उस दौरान सप्ताह में पांच लाख रुपए का इंतजाम करने की बात कही गई थी। तब भी फोन करने वाले ने कनाडा का ही नाम लिया था। नेहरा ने बताया कि उस दौरान उसने मजाक समझकर मामले को टाल दिया लेकिन शनिवार को फिर इसी तरह की काल आई तो वह घबरा गया। उसने बताया कि फोन करने वाले की भाषा हिन्दी पंजाबी थी। नम्बर भी विदेशी है।

हरियाणा में मारकंडा-टांगरी उफान पर, घग्गर का जलस्तर बढ़ने की संभावना, हाई अलर्ट पर अंबाला-पानीपत

चंडीगढ़। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बारिश ने मैदानी राज्यों में तबाही मचाई हुई है। खासकर पड़ोसी राज्य हरियाणा में यमुना और घग्गर का जलस्तर एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगा है, जिसके बाद सूबे के कुछ जिलों में बाढ़ आने का खतरा मंडराने लगा है। सरकार की ओर से अंबाला और पानीपत के 40 किलोमीटर के एरिया में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। प्रदेश में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 40 हो गई है। 2 लोग अब भी लापता हैं। प्रदेश के 1461 गांव बाढ़ से ग्रस्त हैं। 1857 जानवरों की मौत हो चुकी है। अंबाला, फरीदाबाद, फतेहाबाद और सिरसा में NDRF की टीमें तैनात हैं। फतेहाबाद में सेना तैनात है। हरियाणा सरकार के अनुसार, अब तक 7846 लोगों को बचाया जा चुका है। हालांकि अंबाला, कुरुक्षेत्र व अन्य इलाकों में बनाए गए राहत कैंपों में अब सिर्फ 819 लोग ही बचे हैं।

अंबाला में टांगरी का जलस्तर घटा

हरियाणा के अंबाला कैंट में उफान पर आई टांगरी नदी रविवार सुबह तक शांत हो गई। टांगरी बांध के आसपास इलाकों में घुसा पानी उतर गया। अब सिर्फ त्रासदी दिखाई दे रही है। लोगों का सामान गलियों में पड़ा दिखाई दे रहा है। गलियों में कीचड़ भरा हुआ है। लोगों को फिर अपने घरों को सफाई करने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ेगी। सीएम मनोहर लाल ने सिरसा और फतेहाबाद जिले का हवाई सर्वेक्षण करके बाढ़ग्रस्त इलाकों में हालातों का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि

जाखल, भूना, रतिया, फतेहाबाद तथा सिरसा ब्लॉक के बहुत से गांव और ओटू झील के आसपास के क्षेत्र के गांवों में पानी भरा है।

सीएम मनोहर लाल ने सिरसा और फतेहाबाद जिले का हवाई सर्वेक्षण करके बाढ़ग्रस्त इलाकों में हालातों का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि जाखल, भूना, रतिया, फतेहाबाद तथा सिरसा ब्लॉक के बहुत से गांव और ओटू झील के आसपास के क्षेत्र के गांवों में पानी भरा है।

मारकंडा का जलस्तर बढ़ा

अंबाला छावनी में लोगों को अलर्ट जारी करके सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की गई है। मारकंडा नदी का जलस्तर बढ़ने के साथ टांगरी नदी का रविवार को जलस्तर घटने लगा है। पहाड़ों से पानी छोड़े जाने के कारण घग्गर में भी उफान आने की संभावना है। सिरसा में भी घग्गर का जलस्तर बढ़ रहा है। मल्लेवाला, चामल व बाजेकां में तटबंध टूट गए हैं, जिस कारण खेतों में पानी भर गया। फतेहाबाद शहर में भी बाढ़ का खतरा बरकरार है।

पंचकूला में सबसे ज्यादा 100 एमएम वर्षा

मौसम विभाग ने 26 जुलाई तक भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की है। 24, 25 और 26 को भारी बारिश हो सकती है। शनिवार को पंचकूला में सबसे ज्यादा करीब 100 एमएम, चंडीगढ़ में 58 एमएम, करनाल में 46 एमएम, अंबाला में 27 एमएम बारिश दर्ज की गई।

अंबाला-सहारनपुर रेल रूट प्रभावित

अंबाला-दुखेड़ी के पास टांगरी नदी में पानी डाउन लाइन के पुल को कभी भी छू सकता है। ऐसी संभावनाओं को देखते हुए रेलवे प्रबंधन ने अंबाला-सहारनपुर सेक्शन की डाउन लाइन को बंद कर दिया है। स्थिति पर नजर रखने के लिए रेलवे सहित [illegible] कर्मचारियों की तैनाती कर दी गई है। ऊना-सहारनपुर ट्रेन रोकी गई है।

विधायक हरविन्द्र कल्याण ने लालूपुरा यमुना तटबंध का किया दौरा

करनाल। विधायक हरविन्द्र कल्याण घरौंडा विधानसभा में यमुना तट पर स्थित लालूपुरा और खराजपुर तटबंध पर निरंतर नजर बनाए हुए है। शनिवार को भी विधायक ने लालूपुरा यमुना तटबंध का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया तथा वहा उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि यमुना का जलस्तर बढा हुआ है, ऐसे में यमुना के नजदीक स्थित गांवों के लोगों को सचेत रहने की जरूरत है। सरकार और प्रशासन से इस संबंध में लगातार समन्वय स्थापित किया हुआ है। प्रशासन की सभी प्रकार की मशीनरी अलर्ट पर है। उन्होंने कहा कि आमजन को किसी भी प्रकार से घबराने की आवश्यकता नही है। प्रशासन द्वारा आमजन का हर संभव सहयोग किया जाएगा। विधायक ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से यमुना के जलस्तर में बढावा देखने को मिला है। ऐसे समय में स्थिति से निपटने के लिए घरौंडा वासियों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। लालूपुरा और खराजपुर तटबंध को मजबूत करने में क्षेत्र के लोगों ने अपना अविस्मरणीय सहयोग दिया है। इस वर्ष अधिक वर्षा के कारण ऐसी स्थिति बनी है। इस स्थिति से निपटने केलिए आमजन को भी तैयार रहना चाहिए व स्थिति असमान्य होने की दशा मे सभी को एक दूसरे की सहायता के लिए आगे आना चाहिए।

डिजिटल बोर्ड पर हुई साइंस क्विज कंपटीशन में चाणक्य हाउस ने मारी बाजी

उकलाना। डी सी एम स्कूल में साइंस क्वीज कंपटीशन का आयोजन डिजिटल बोर्ड पर करवाया गया ।इसमें स्कूल के चारों हाउस शाहीद भगत सिंह,एकलव्य,चाणक्य,टैगोर ने भाग लिया। क्विज में टोटल 6 राउंड हुए ।प्रत्येक राउंड में सभी हाउस के बच्चे लगभग बराबर अंक लिए,लेकिन अंतिम राउंड में 105 नंबर लेकर चाणक्य हाउस ने बाजी मारी और दूसरे स्थान पर शहीद भगत सिंह हाउस रहे। कंपटीशन के बीच में बच्चों ने कविता व चुटकुलों के साथ मनोरंजन किया। स्कूल चेयरमैन संजय डीसीएम ने ग्रीन हाउस के बच्चों को बधाई दी व बच्चों को बताया कि कंपटीशन में जीतने से जरूरी भाग लेना होता है किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेने से हमारा टैलेंट निखर कर सामने आता है। गुरु मेल और प्रिंसिपल संदीप , मंजू सेहरा ने बच्चों को आशीर्वाद दिया। स्कूल के अध्यापक गण सतीश , विनोद गर्ग ,संदीप ,नरेंद्र सुमन ,कविता मैम,मनोज ,बलराज , विक्रम , रामनिवास आदि ने प्रतियोगिता को सफल बनाया।

अंबाला में उफान पर आई टांगरी नदी शांत हुई, लोगों को सड़कों पर काटनी पड़ी रात

अंबाला। हरियाणा के अंबाला कैंट में उफान पर आई टांगरी नदी रविवार सुबह तक शांत हो गई। टांगरी बांध के आसपास इलाकों में घुसा पानी उतर गया। अब सिर्फ त्रासदी दिखाई दे रही है। लोगों का सामान गलियों में पड़ा दिखाई दे रहा है। गलियों में कीचड़ भरा हुआ है। लोगों को फिर अपने घरों को सफाई करने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ेगी।

बता दें कि पंचकुला और हिमाचल में भारी बारिश होने के कारण शनिवार दोपहर बाद तक टांगरी नदी में में पीछे से 25 हजार क्यूसेक पानी आया गया था, जिसकी वजह से आसपास के इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए थे। हालात बिगड़ते देख प्रशासन ने सुबह ही अलर्ट जारी करते हुए आसपास के इलाकों को खाली करके सुरक्षित जगह पर जाने की अपील की थी।

आशियाने छोड़ सड़कों पर गुजरी रात

टांगरी बांध के आसपास हालात बिगड़ने पर लोगों को अपने आशियाने छोड़ने पड़े। कुछ लोग इधर-उधर पलायन कर गए तो ज्यादातर लोगों को मजबूरन सड़कों पर रात गुजरानी पड़ी। कुछ लोग रातभर छत पर बैठ पानी उतरने का इंतजार करते रहे। इलाका जलमग्न होने के कारण बिजली की बत्ती गुल हो गई।

गृह मंत्री ने रात को लिया था जायजा

जनता दरबार खत्म होने के बाद गृह मंत्री अनिल विज ने शनिवार देर रात टांगरी नदी में जलस्तर का अधिकारियों के साथ मुआयना किया। इससे पहले डीसी डॉ. शालीन और आम आदमी पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष चित्रा सरवारा ने जायजा लिया। चित्रा ने प्रशासन के प्रबंधों पर सवाल उठाए थे।

बाढ के पानी से खराब हुई फसल की जल्द गिरदावरी करके 50 हजार रूपए प्रति एकड मुआवजा दे सरकार-राकेश चुघ

सनौली/बापौली/पानीपत। आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष राकेश चुघ और प्रदेश संयुक्त सचिव सुखबीर मलिक ने अपनी टीम के साथ शनिवार को यमुना का तटबंध टूटने से बाढ के पानी से प्रभावित गांव नवादा आर, नवादा पार, पत्थगरढ व राणा माजरा आदि का दौरा करके ग्रामीणों का हालचाल जाना। वहीं किसानों ने बताया कि उनकी सब्जियों की फसल तो पूरी तरह से बर्बाद हो गई है और धान व ईख की फसल को भी बहुत नुकसान पहुंचा है लेकिन आज तक भी सरकार द्वारा खराब हुई फसल की कोई गिरदावरी तक नहीं करवाई गई है। ग्रामीणों का कहना है कि बाढ प्रभावित गांवों में लोगों को वायरल बुखार, एलर्जी, गला खराब और आखों की आई फ्लयू आदि बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार व प्रशासन की तरफ से उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। वहीं कई गांवों के ग्रामीणों का आरोप है कि यमुना का तटबंध टूटने में गांव पत्थगढ व तामशाबाद के सामने यूपी की तरफ गांव मंडावर व खुरगान आदि में यमुना में होने वाले रेत खनन का भी अहम योगदान रहा है। यूपी की तरफ यमुना में खनन करने वाले ठेकेदार के रेत से भरे ओवरलोड डंपर सिचाई विभाग के पानीपत के अधिकारियों की मिलीभगत के चलते इसी तटबंध से होकर गुजरते थे। जबकि नियमानुसार रेत से भरे डंपर यमुना के तटबंध से होकर नहीं गुजर सकते है। वहीं ग्रामीणों ने हर वर्ष बाढ बचाव कार्य के लिये आने वाले करोड़ों रूपयों में भी घोलमाल करने के आरोप लगाये है। इस मौके पर आप के जिला अध्यक्ष राकेश चुघ ने ग्रामीणों से बातचीत करते हुए आश्वासन दिया कि आप का एक-एक कार्यकर्ता बाढ से प्रभावित गांवों के ग्रामीणों के साथ खड़ा है और आप की तरफ से हर संभव मदद की जाएगी। वहीं राकेश चुघ ने कहा बाढ के पानी से करीब एक दर्जन गांवों की हजारों एकड फसल पानी में डूब गई थी। सब्जियों की फसल तो पूरी तरह से बर्बाद हो गई और ईख व धान की फसल को भी नुकसान हुआ है। राकेश चुघ ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि बाढ से प्रभावित गांवों की फसल खराब होने की तुरंत विशेष गिरदावरी करवाई जाये और जिन किसानों की फसल बर्बाद हुई है, उनको 50 हजार रूपए प्रति एकड मुआवजा दिया जाये। उन्होंने कहा कि यमुना के पानी से प्रभावित गांवों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा बडे स्तर पर चिकित्सा चैकअप कैंप लगाये जाये और ग्रामीणों को अच्छे डाक्टरों की टीम द्वारा दवाईयां दी जाये। राकेश चुघ ने कहा कि इन गांवों में रहने वाले बहुत से लोगों के तो हालात ऐसे है कि वे प्राईवेट डाक्टरों से महंगी दवाईयां नहीं खरीद सकते। जबकि कुछ गरीब लोगों के हालात ऐसे भी है कि उनके पास खाने के लिये राशन भी नहीं है। वहीं राकेश चुघ ने कहा कि यमुना में खनन करने वाले यूपी के ठेकेदार के रेत से भरे ओवरलोड डंपर पानीपत की तरफ यमुना तटबंध पर किसकी मंजूरी से चलते थे और सरकार द्वारा इस सारे मामले की जांच करवाई जाये कि इसमें सिचाई विभाग के कौन-कौन से अधिकारियों की मिलीभगत है।

टॉयलेट जाने से रोका तो विमान के फर्श पर ही महिला ने कर दिया पेशाब

वॉशिंगटन। एयरलाइंस के कर्मचारियों ने एक महिला को टॉयलेट जाने से रोका तो उसने विमान के फर्श पर ही पेशाब कर दिया। इसके बाद क्रू मेंबर ने इसका वीडियो भी बनाया। गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों के दौरान विमान के अंदर अभद्र व्यवहार की कई खबरें आ चुकी हैं। एक शख्स के दूसरे यात्री पर पेशाब करने, एयरलाइंस के यात्रियों को हवाईअड्डे पर छोड़ देने से लेकर फ्लाइट में महिला को बिच्छू के काटने जैसी कुछ असामान्य घटनाएं सामने आई हैं। अब ऐसी ही एक विचित्र घटना सामने आई है, जिसमें एक महिला ने कहा कि उसे उड़ान के दौरान प्लेन के फर्श पर 'पेशाब करने के लिए मजबूर' किया गया था। महिला ने दावा किया कि एयरलाइंस के कर्मचारियों ने उसे कई घंटों तक विमान के टॉयलेट का उपयोग करने से रोक रखा था। रिपोर्ट के मुताबिक, यह बेहद अपमानजनक घटना अमेरिका की स्पिरिट एयरलाइंस की एक उड़ान में हुई। महिला का दावा है कि उसने दो घंटे तक इंतजार किया, लेकिन उसके बाद 'और बर्दाश्त नहीं कर सकी।' इसलिए उसे विमान के फर्श पर पेशाब करने के लिए मजबूर होना पड़ा। हालांकि इस दौरान केबिन क्रू के एक सदस्य ने इसका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। इस वीडियो के कैप्शन में कहा गया है कि '07/20/2023 स्प्रिट एयरलाइंस की उड़ान में एक महिला ने फर्श पर पेशाब कर दिया, क्योंकि वह उड़ान भरने के बाद टॉयलेट खुलने का इंतजार नहीं करना चाहती थी। इस बीच फ्लाइट अटेंडेंट ने कथित रूप से उस महिला से कहा कि उसे पानी पीना चाहिए 'क्योंकि आपके पेशाब से बदबू आ रही है। सोशल मीडिया पर शेयर एक छोटी सी क्लिप में महिला को हवाई जहाज के फर्श पर बैठकर चालक दल के सदस्यों के साथ बहस करते हुए देखा जा सकता है। इस वीडियो पर सोशल मीडिया के यूजर्स ने गहरी नाराजगी जाहिर की है। एक यूजर ने कहा कि यह बेहद घृणित है। एक अन्य यूजर ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यहां तक कि मेरी बिल्ली भी बहुत साफ-सुथरी है और धैर्यपूर्वक अपने टॉयलेट के लिए ले जाने का इंतजार करती है।

शख्स को बाहर निकाला तो लगा दी बार में आग, 11 की मौत, 4 भर्ती

मेक्सिको। मेक्सिको में एक शख्स को छेड़खानी करने के दौरान बार से बाहर निकाला तो उसने बार में ही आग लगा दी। इसके बाद वहां चीख पुकार मच गई। आग लगने से 11 लोगों की जलकर मौत हो गई, जबकि चार जाख्मी लोगों का अस्पताल में इजाल चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक शख्स को बार में महिला से दुर्व्यवहार करने के लिए बार से बाहर निकाला गया था। वह वापस आया और पूरे बार में ही आग लगा दी। पुलिस के अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि शख्स को गिरफ्तार कर लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आगजनी का यह मामला संयुक्त राज्य अमेरिका की सीमा से लगे मेक्सिको के उत्तरी राज्य सोनोरा के सैन लुइस रियो कोलोराडो शहर में शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात को हुआ। सोनोरा के राज्य अभियोजक के कार्यालय ने कहा कि बार में हुई आगजनी में 7 पुरुषों और 4 महिलाओं की जलने और दम घुटने से मौत हो गई। चार अन्य घायल हुए हैं, जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि हमलावर को महिलाओं के साथ असम्मानजनक व्यवहार करने के लिए बार से बाहर निकाला गया था- फिर वापस आकर उसने बार में आग लगा दी। शख्स ने बार पर कोई ज्वलंत वस्तु फेंकी, संभवत- वह मोलोटोव कॉकटेल था। राज्य के अटॉर्नी जनरल गुस्तावो रोमुलो सालास ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि मृत महिलाओं में से एक अमेरिकी नागरिक भी शामिल है। संभवत: दोहरी मैक्सिकन और अमेरिकन नागरिकता वाली महिला, और एक अन्य पीड़िता केवल 17 साल की थी, इस घटना में मारे गए हैं। शहर के मेयर सैंटोस गोंजालेज ने कहा कि संदिग्ध व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि संदिग्ध पुरुष अत्यधिक नशे में था, और वहां महिलाओं के प्रति अभद्र व्यवहार करने के कारण उसे बार से बाहर निकाल दिया गया था।

अश्वेत किशोर की याद में राष्ट्रीय स्मारक स्थापित करेंगे बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने शिकागो के अश्वेत किशोर एमेट टिल और उसकी मां मैमी टिल-मोबली की याद में इलिनॉइस और मिसिसिपी में तीन जगह पर राष्ट्रीय स्मारक स्थापित करने का फैसला किया है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एमेट पर 1955 में मिसिसिपी में एक श्वेत महिला को देखकर सीटी बजाने के आरोप लगे थे, जिसके बाद उसे अगवा कर प्रताड़ित किया गया था और उसकी हत्या कर दी गई थी। व्हाइट हाउस के अधिकारी ने बताया कि बाइडन इलिनॉइस और मिसिसिपी में तीन जगहों पर एमेट टिल और मैमी टिल-मोबली की याद में राष्ट्रीय स्मारक बनाने संबंधी उद्घोषणा पर मंगलवार (25 अगस्त) को दस्तखत करेंगे। अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर यह जानकारी दी, क्योंकि व्हाइट हाउस ने राष्ट्रपति की योजना की आधिकारिक तौर पर घोषणा नहीं की है। अधिकारी के मुताबिक, एमेट की याद में राष्ट्रीय स्मारक बनाने संबंधी उद्घोषणा पर दस्तखत के लिए 25 अगस्त की तारीख इसलिए चुनी गई है, क्योंकि अश्वेत किशोर का 1941 में इसी दिन जन्म हुआ था। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्मारक उन जगहों पर स्थापित किए जाएंगे, जहां एमेट ने अपनी जिंदगी के यादगार पल जिए थे, जहां उसके हत्यारों को दोषी ठहराया गया था और जहां उसकी मां ने अपने बेटे को न्याय दिलाने के लिए लंबा आंदोलन किया था।

ओपेनहाइमर पर विवाद का असर नहीं, 50 करोड़ से ज्यादा रह सकता है फर्स्ट वीकेंड

लॉस एजेलिस। ओपेनहाइमर पर विवादों का कोई असर नहीं पड़ा है। फिल्म शानदार कमाई कर रही है। सिलियन मर्फी स्टारर इस फिल्म ने रिलीज के दूसरे दिन यानी शनिवार को 17 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। फिल्म ने पहले दिन 14.50 करोड़ का बिजनेस किया था। इस तरह फिल्म ने सिर्फ दो दिनों में 31.50 करोड़ रुपए का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर लिया है। इस महीने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर हॉलीवुड फिल्मों का बोलबाला रहा। पहले मिशन इम्पॉसिबल-7 और अब ओपेनहाइमर भी शानदार कमाई कर रही है। पहले और दूसरे दिन के आंकड़ों पर बात करें तो ओमेनहाइमर ने मिशन इम्पॉसिबल-7 को पछाड़ दिया है। इंडस्ट्री ट्रैकर सेकनिक के मुताबिक फिल्म ने सिर्फ दो दिनों में 31.50 करोड़ रुपए कलेक्शन किया है। रविवार को लेकर अनुमान लगाया जा रहा है कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 20 करोड़ तक का कारोबार करने में सफल हो जाएगी। इसके चलते फिल्म अपने पहले वीकेंड पर 50 करोड़ रुपए तक की कमाई कर सकती है। ऐसा संभव भी है क्योंकि फिल्म को ऑडियंस काफी ज्यादा पसंद कर रही है। डायरेक्टर क्रिस्टोफर नोलन की फिल्मों को भारत में काफी पसंद किया जाता है। सिलियन मर्फी फिल्म के लीड एक्टर हैं। ये फिल्म 21 जुलाई को रिलीज है। मिशन इम्पॉसिबल-7 12 जुलाई को रिलीज हुई थी। फिल्म को पांच दिनों का लंबा वीकेंड मिला था। पहले पांच दिनों में फिल्म ने 63 करोड़ रुपए की कमाई की थी। जबकि ओपेनहाइमर ने सिर्फ दो दिनों में 31.50 करोड़ कमा लिए हैं। मिशन इम्पॉसिबल-7 भारत में टॉम क्रूज की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। बॉर्बी ने शनिवार को 6.50 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसने भी दो दिनों में 11.50 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। दूसरी तरफ मिशन इम्पॉसिबल-7 ने एक हफ्ते का रन अकेले एंजॉय किया था।

चीन बना रहा अनोखा स्पेस प्लेन, अब 90 फीसदी सस्ता होगा स्पेस का सफर

बीजिंग। चीन द्वारा बनाए जा रहे अनोखे स्पेस प्लेन को यदि सफलता मिल गई तो 90 फीसदी स्पेस का सफर सस्ता हो जाएगा। गौरतलब है कि अंतरिक्ष में जाना आज के समय में बेहद महंगा पड़ता है। हालांकि अभी एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स ही ऐसे रॉकेट का प्रयोग करती है, जिन्हें फिर से इस्तेमाल किया जा सके। लेकिन चीन नए तरीके के हाइपरसोनिक स्पेसप्लेन पर काम कर रहा है, जो अगर बन गया तो अंतरिक्ष में जाना सस्ता हो जाएगा। इसके डिजाइन का हाल ही में टेस्ट टेस्ट चीन ने अपने अल्ट्रा शक्तिशाली हाइपरसोनिक विंड टनल में किया है। यह नया विमान वाणिज्यिक, टोही और सैन्य भूमिकाओं के लिए डिजाइन किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने दुनिया की सबसे शक्तिशाली पवन सुरंग का फुटेज जारी किया है। इसमें एक मदरशिप विमान से हवा में लॉन्च किए गए अंतरिक्ष यान का स्केल सेपरेशन दिखाया गया है। इस स्पेस प्लेन का डिजाइन 2019 में जारी किए गए एक डिजाइन जैसा दिखता है। हालांकि यह भी कहा गया है कि इससे ये नहीं मान लेना चाहिए कि दोनों टेस्ट आपस में जुड़े हुए हैं।

तेलअवीव में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनयाहू के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए लोग।

फिर से धरती में 10,000 मीटर गहरी ड्रिलिंग कर रहा चीन

बीजिंग। मई में धरती की आंतरिक संरचनाओं का अध्ययन करने के नाम पर लगभग 10,000 मीटर गहरी ड्रिलिंग करने के बाद चीन ने इस साल अपना दूसरा अल्ट्रा-डीप ड्रिलिंग प्रोजेक्ट शुरू किया है। मगर इस बार चीनी परियोजना का इरादा कुछ अलग है। चीन धरती के नीचे बहुत ज्यादा गहराई में प्राकृतिक गैस भंडार का पता लगाने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक इस परियोजना का नेतृत्व चाइना नेशनल पेट्रोलियम कॉर्प (सीएनपीसी) ने किया है। सीएनपीसी ने 10,520 मीटर (लगभग 6.5 मील) की अनुमानित गहराई के साथ सिचुआन प्रांत में शेंडी चुआंके 1 कुएं की ड्रिलिंग शुरू की है। रूस में मौजूद कोला सुपरडीप बोरहोल को दुनिया का सबसे गहरा मानव निर्मित छेद होने का गौरव हासिल है, जो 12,262 मीटर की आश्चर्यजनक गहराई तक जाता है। जबकि चीन के झिंजियांग में पिछले कुएं का प्रायोगिक फोकस मुख्य रूप से ड्रिलिंग टेक्नोलॉजी का परीक्षण करना और पृथ्वी की आंतरिक संरचना पर डेटा जुटाना था। सिचुआन में वर्तमान परियोजना का उद्देश्य विशेष रूप से अल्ट्रा-डीप प्राकृतिक गैस भंडार की खोज करना है। चीन का सिचुआन अपने मसालेदार व्यंजनों, लुभावने पहाड़ी दृश्यों और पांडा के लिए मशहूर है। इसके साथ ही यहां चीन के कुछ सबसे बड़े शेल गैस भंडार भी मौजूद हैं। हालांकि इन गैस संसाधनों को निकालने में ऊबड़-खाबड़ इलाके और जटिल भूवैज्ञानिक स्थितियों के कारण कई चुनौतियां हैं। हाल के समय में ड्रैगन सरकार ने ऊर्जा कंपनियों से बिजली की कमी, भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों उतार-चढ़ाव के जवाब में घरेलू उत्पादन को बढ़ाकर ईंधन सुरक्षा बढ़ाने की अपील की है। अत्यधिक गहरे प्राकृतिक गैस भंडार की खोज इन चिंताओं को दूर करने और अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के देश के प्रयासों का हिस्सा है।

यूक्रेन में फिर हमले तेज, रूस की सेना ने चीनी दूतावास को ही उड़ाया, बढ़ा तनाव

-रूसी राष्ट्रपति पुतिन के सैनिकों की एक गलती से जिनपिंग को लगा बड़ा झटका

मॉस्को (एजेंसी)। यूक्रेन में फिर हमले तेज हो गए हैं। हालांकि इस बार रूसी सेना ने चीनी दूतावास को ही उड़ा दिया है। इससे राष्ट्रपति पुतिन और जिनपिंग के बीच तनाव बढ़ गया है। मिली जानकारी के अनसार यूक्रेन के ओडेसा शहर में रूस की सेना ने नए सिरे से हमले किए हैं। मगर इस बार एक ऐसी गलती हो गई है जिसकी सजा रूस और चीन की दोस्ती भुगत सकती है। ओडेसा में हुए हमलों के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सैनिकों ने गलती से चीनी वाणिज्य दूतावास के एक हिस्से को निशाना बना दिया। इस गलती के बाद चीन के साथ उसका गठबंधन खतरे में पड़ गया है। इस घटना पर यूक्रेन के रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेजनिकोव ने कहा है कि पिछली चार महीनों में कई बार चीन और रूस का गठबंधन खतरे में आया है। उन्होंने दोनों देशों के रिश्ते पर सवाल उठाने वाली कई घटनाओं का हवाला दिया। हालांकि इस घटना पर रूस की तरफ से अभी कुछ नहीं कहा गया है। ट्विटर पर रेजनिकोव ने लिखा, ?कि 16 मई को रूस ने किंझल मिसाइलों से कीव पर हमला किया जबकि चीनी राजदूत ली हुई यूक्रेन की राजधानी का दौरा कर रहे थे। इसके बाद उन्होंने बताया 19 जुलाई को रूस ने 60,000 टन यूक्रेनी अनाज को नष्ट कर दिया जिसमें से कुछ को चीन को निर्यात होना था।

इसी तरह से ओडेसा पर रूसी मिसाइल और ड्रोन हमले के परिणामस्वरूप रिहायशी क्षेत्र में स्थित चीन के वाणिज्यक दूतावास की इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। उनका कहना था कि यह बिना किसी सीमा वाली दोस्ती का एक छोटा सा इतिहास है। फरवरी 2022 में पुतिन ने जब यूक्रेन पर हमले शुरू किए थे तो उसके कुछ हफ्ते पहले ही उन्होंने अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग से मिल रहे थी। उस समय पुतिन ने ऐलान किया था कि दोनों देशों के बीच दोस्ती की कोई सीमा नहीं है। फिर भी चीन ने अपनी तटस्थता दोहराते हुए दोनों पक्षों से शांति समझौते पर सहमति के लिए बातचीत का आग्रह किया है। चीन के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि नखिमोवा लेन में चीनी वाणिज्यक दूतावास की एक इमारत पर हमला किया गया था। रूस ने मिसाइलों की बौछार से ओडेसा के दक्षिण-पश्चिमी बंदरगाह को निशाना बनाया था।

वहीं चीन का कहना था कि दूतावास के कर्मचारी बहुत पहले ही परिसर छोड़ चुके थे और किसी को चोट नहीं आई। उन्होंने एक बयान में कहा कि चीन घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहा है और संबंधित पक्षों के संपर्क में है। चीन का कहना है कि यूक्रेन में चीनी संस्थानों और नागरिकों को सुरक्षित रखने के लिए सभी जरूरी उपाय अपनाए जाएंगे। माना जा रहा है कि यह हमला इस हफ्ते की शुरुआत में हुए हमले का जवाब है। उस हमले में क्रीमिया को रूस से जोड़ने वाले केर्च पुल को निशाना बनाया गया था और यह गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है। ओडेसा में हमलों में कम से कम दो लोग मारे गए।

बढ़ता तापमान दुनिया के लिए बना खतरा, ले डूबेगी ग्लोबल वार्मिंग

-भारत को भी झुलसाएगी यूरोप और अमेरिका में कहर ढा रही भीषण गर्मी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। दुनिया के लिए बढ़ता तापमान बड़ा खतरा पैदा कर रहा है। वैज्ञानिक कह रहे हैं कि एक दिन ग्लोबल वार्मिंग पूरी दुनिया को ले डूबेगी। गौरमलब है कि यूरोपीय महाद्वीप में गर्मी हर दिन नए रिकॉर्ड बना रही है। इटली में तो झुलसाती गर्मी के कारण रोम समेत 16 शहरों में रेड अलर्ट तक जारी करना पड़ गया। वहीं, अमेरिका में भी लोगों को भयंकर गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, अफ्रीका से आने वाली गर्म हवाओं ने यूरोप में हालात बिगाड़ दिए हैं। वहीं, एशिया में चीन के लोगों को भीषण गर्मी न परेशान किया है। ऐसे में ये सवाल भी है कि आने वाले समय में भारत में भी तापमान बढ़ेगा और लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना होगा? मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, बहुत ज्यादा गर्म मौसम होने पर हीटवेव की स्थिति बन जाती है। हालांकि, ऐसे हालात लंबे समय तक नहीं रहते हैं। किसी भी क्षेत्र में हीटवेव के हालात तब बनते हैं, जब उस जगह का औसत तापमान बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। भारत में हीटवेव को तीन मानकों पर परखा जाता है। सबसे पहला, जब मैदानी इलाकों का तापमान 40 डिग्री से ज्यादा हो जाता है तो हीटवेव के हालात मान लिए जाते हैं।

वैज्ञानिक बताते हैं कि भारत में अगर तटीय इलाकों का तापमान 37 डिग्री के पार चला जाता है तो हीटवेव के हालात घोषित कर दिए जाते हैं। वहीं, पहाड़ी क्षेत्र का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो जाता है तो हीटवेव की स्थिति मान ली जाती है। फिलहाल भारत में मानसून की वजह से राहत है, लेकिन उमस से लोग परेशान हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, ऐसे हालात का प्रमुख कारण ग्लोबल वार्मिंग है। वहीं, वैज्ञानिक शोध कर रहे हैं आखिर तापमान में लगातार बढ़ोतरी क्यों हो रही है? लगातार जलवायु परिवर्तन के कारण भारत भी हीटवेव की जद में हैं।

अब कनाडा में मूसलाधार बारिश से आई बाढ़

- हर तरफ तबाही का मंजर, कई लोग लापता

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा में मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ आ गई है. बाढ़ में दो बच्चों सहित कनाडा के चार लोगों के लापता होने की सूचना मिली है। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने कहा कि बच्चे एक कार में थे जो पानी में डूब गई थी। कार में सवार अन्य तीन लोग अपने आप को बचाने में सफल रहे। पुलिस एजेंसी ने कहा कि पूर्वी प्रांत में एक अलग घटना में एक युवक और एक व्यक्ति के समान परिस्थितियों में लापता होने की सूचना मिली थी। नोवा स्कोटिया में हो रही भारी बारिश के कारण सड़कें टूट गई हैं और घरों में पानी भर गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रीमियर टिम ह्यूस्टन ने एक समाचार ब्रीफिंग में बताया कि प्रांत में 24 घंटे से भी कम समय में लगभग 25 सेमी (10 इंच) बारिश हुई है, तीन महीने की बारिश के बराबर है। ह्यूस्टन ने प्रांत के कई इलाकों में आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी और निवासियों से लापता लोगों की तलाश में शामिल नहीं होने का आग्रह किया क्योंकि स्थितियां खतरनाक बनी हुई हैं। उन्होंने अनुमान लगाया कि पानी उतरने में कई दिन लगेंगे। विंडसर क्षेत्र में लोगों को आधी रात में जगह खाली करने के आदेश दिए गए- क्योंकि बाढ़ के कारण बांध टूटने का खतरा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक समय में 80,000 से अधिक लोग बिना बिजली के रह रहे हैं. प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि वह बाढ़ को लेकर बहुत चिंतित हैं और उन्होंने वादा किया कि सरकार हर संभव मदद करेगी। पेनसिल्वेनिया में एक नदी के किनारे मिले दो साल की बच्ची का शव पिछले सप्ताहांत अचानक आई बाढ़ में बह गए दो लापता बच्चों में से एक माना जा रहा है। उसका नौ महीने का भाई अभी भी लापता है।

काला सागर में यूक्रेन के अनाज को रास्ता नहीं मिला तो लाखों लोग भूख से मरेंगे

-रुस की हठधर्मी से यूक्रेनी अनाज गरीब देशों तक नहीं पहुंचेगा, यूएन कि चिंता बढ़ी

कीव/मॉस्को (एजेंसी)। रूस की हठधर्मिता का खामियाजा यूएन देशों को भुगतना पड़ सकता है। यदि रूस ने काला सागर अनाज समझौते को जारी नहीं किया तो दुनिया में लाखों लोग भूख से मर जाएंगे। जानकारी के अनुसार रूस ने यूक्रेनी अनाज के काले सागर में सुरक्षित निर्यात की मंजूरी देने वाले काला सागर अनाज समझौते से खुद को अलग कर लिया है। इससे अनाज की कीमतों में होने वाली बढ़ोतरी संभावित रूप से लाखों लोगों के लिए भुखमरी और इससे भी बदतर स्थिति पैदा कर सकती है। संयुक्त राष्ट्र के सहायता प्रमुख ने सुरक्षा परिषद को इस खतरे से आगाह किया। रूस ने सोमवार को यह कहते हुए काला सागर अनाज समझौता छोड़ दिया कि उसकी खाद्य और उर्वरक निर्यात में सुधार की मांगें पूरी नहीं हुईं। रूस ने आरोप लगाया कि पर्याप्त यूक्रेनी अनाज गरीब देशों तक नहीं पहुंचा है। इस बारे में मार्टिन ग्रिफिथ्स ने 15 सदस्यीय निकाय को बताया कि ऊंची कीमतों को विकासशील देशों के परिवार सबसे अधिक तीव्रता से महसूस करेंगे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में 69 देशों में लगभग 36.2 करोड़ लोगों को मानवीय सहायता की जरूरत है। इस फैसले से कुछ लोग भूखे रह जाएंगे, कुछ भूख से मर जाएंगे और कई लोगों की मौत हो सकती है। संयुक्त राष्ट्र ने तर्क दिया कि काला सागर समझौते से विश्व स्तर पर खाद्य पदार्थों की कीमतों में 23 फीसदी से अधिक की कमी करके गरीब देशों को लाभ हुआ है। यूएन वर्ल्ड फूड प्रोग्राम ने अफगानिस्तान, जिबूती इथियोपिया, केन्या, सोमालिया, सूडान और यमन में भी लगभग 725,000 मीट्रिक टन यूक्रेन अनाज भेजा है। लेकिन अर्थशास्त्री मिखाइल खान, जिनसे रूस ने सुरक्षा परिषद को जानकारी देने के लिए कहा था, ने कहा कि सबसे गरीब देशों को केवल 3 प्रतिशत अनाज मिला है।

रूस के उप विदेश मंत्री सर्गेई वर्शिनिन ने मॉस्को में कहा कि समझौते से बाहर निकलने के बाद रूस सबसे अधिक जरूरतमंद देशों को अनाज के निर्यात पर बातचीत कर रहा है, लेकिन अभी तक किसी कॉन्ट्रैक्ट पर साइन नहीं किया है। वैश्विक खाद्य संकट को टालने और यूक्रेन से अनाज के निर्यात की मंजूरी को लेकर रूस को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपने ही सहयोगी चीन और विकासशील देशों के साथ ही पश्चिमी देशों के दबाव का भी सामना करना पड़ा। रूस की ओर से काला सागर के एक बड़े हिस्से को नौवहन के लिए खतरनाक घोषित किए जाने के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी कि समुद्र में किसी सैन्य कार्रवाई के विनाशकारी प्रभाव हो सकते हैं।

पाकिस्तान में हिंदू लड़कियों का करवाया गया धर्म परिवर्तन और मुस्लिमों से कराई शादी, परेशान पिता ने भारत से की हस्तक्षेप करने की अपील

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में हिंदू बेटियों के साथ अत्याचार किया जा रहा है। एक बार फिर से पाकिस्तान में हिंदू बेटियों का ना सिर्फ जबरन धर्म परिवर्तन करवाया गया है। बल्कि मुस्लिम पुरुषों से शादी करने के लिए मजबूर किया है। इसका खुलासा एक रिपोर्ट में हुआ है, जिसके अनुसार अल्पसंख्यक समुदाय पर लगातार जुर्म और अत्याचार किया जा रहा है।

पाकिस्तान में हिंदू और सिख बेटियों का धर्म परिवर्तन जबरन किया जा रहा है। हाल ही के मामले में पंजाब प्रांत के सादिकाबाद की हिंदू लेहलाराम पन्हवर की तीन बच्चियों को पहले अगवा किया गया। इसके बाद तीनों का धर्मपरिवर्तन करवाया गया। तीनों बच्चियों को जबरन इस्लाम कबूल करवाए जाने की बात भी सामने आई है।

इस मामले के सामने आने के बाद भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने भी ट्वीट किया है। उन्होंने विदेश मंत्रालय से इस मामले में हस्तक्षेप करने की गुहार लगाई है। जानकारी के लिए बता दें कि घटना पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में जिला रहीन यार खान में हुई है। यहां पीड़ित को शक था कि उनकी तीन बेटियों का धर्म परिवर्तन करवाया जा सकता है। इसके बाद उन्होंने पुलिस से सहयोग मांगा मगर उन्हें कोई सहायता नहीं मिली। जानकारी के मुताबिक एक वीडियो भी वायरल हुआ है। इस वीडियो में तीनों बेटियों का जबरन धर्म परिवर्तन होते दिखाया गया है। खबरों की मानें तो बच्चियों की मुस्लिमों से शादी करवा दी गई है।

भारत सरकार से मदद की आस

पाकिस्तान में पुलिस द्वारा मदद ना मिलने पर इंसाफ के लिए पीड़ित परिवार ने भारत सरकार से मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने भारत सरकार से भी गुहार लगाई है कि वो उनकी बच्चियों को बचाने में मदद करे। इस संबंध में मनजिंदर सिंह सिरसा पीड़ित परिवार के संपर्क में है।

सीमा हैदर के भारत आने पर हमले बढ़े

कई संगठन हिंदू बच्चियों के खिलाफ हो रहे इन हमलों को लेकर आवाज उठा रहे है। हिंदू लड़कियों के साथ अत्याचार और धर्म परिवर्तन के मामले लगातार बढ़ रहे है। पुलिस और संबंधित अधिकारी इस मामले में कुछ नहीं कर रहे हैं और आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। यह भी दावा किया कि सीमा हैदर घटना के बाद से नदी क्षेत्रों में हिंदू समुदाय पर हमले बढ़ गए हैं। बता दें कि सीमा हैदर पाकिस्तान से भागकर नेपाल के रास्ते भारत आई है। वर्तमान में वो नोएडा में अपने प्रेमी सचिन के साथ रह रही है। सीमा चार बच्चों की मां है।

संस्कार उजाला

लागों को खूब पसंद आया फिल्म जवान का प्रीव्यू

फिल्म जवान का प्रीव्यू लोगों को खूब पसंद आ रहा है। इसके अंत में 1962 के गाने बेकरार करके पर शाहरुख खान का अचानक किया गया डांस क्लिप के सबसे पसंदीदा दृश्यों में से एक था। पावर-पैक जवान प्रीव्यू में शाहरुख खान के प्रशंसकों ने एटली निर्देशित फिल्म से जो उम्मीद की थी, उससे कहीं अधिक था। कई एक्शन दृश्यों, एक जटिल कहानी और विशाल स्टार कास्ट की झलक के बाद, सबसे बड़ा आश्चर्य जवान प्रीव्यू के अंत में हुआ, जब एक गंजे शाहरुख खान को मेट्रो में पुराने गाने बेकरार करके पर थिरकते देखा गया। अब खुलासा हुआ है कि एक्टर ने खुद इसे कोरियोग्राफ किया था। यह दृश्य संभवतः मेट्रो हाईजैक का है और इसमें कई भयभीत यात्रियों को दिखाया गया है क्योंकि शाहरुख अचानक नृत्य करने लगते हैं। अभिनेता ने 1962 की फिल्म बीस साल बाद के हेमंत कुमार के गाने बेकरार करके हमें यूं ना जाइए आपको हमारी कसम लौट आइए पर थिरकते हुए अपने डांस मूव्स बनाए। सोशल मीडिया पर कई लोग शाहरुख को पहले कभी न देखे गए गंजे लुक में देखकर बहुत खुश हुए और मेट्रो हाईजैक के बीच में उनके डांस मूव्स के बारे में बात करना बंद नहीं कर सके। शाहरुख खान से बेकरार करके डांस पर पिछले हफ्ते, जवान प्रीव्यू के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद अपने प्रशंसकों से बात करने के लिए ट्विटर पर आस्क मी एनीथिंग सेशन आयोजित किया था। एक प्रशंसक ने अभिनेता से पूछा,कि आपका पसंदीदा पल क्या हैं । इसके अलावा बेकरार करके हमें यूं ना जाएं आपको हमारी कसम लौट आइए। शाहरुख ने जवाब दिया, यह गाना एटली का आइडिया है। शाहरुख ने कहा कि डांस वगैरह के साथ मुझे भी यह बहुत पसंद है। मुझे लगता है कि इस विचार में बहुत जादू है। शाहरुख के ट्वीट के जवाब में उनके कई प्रशंसकों ने एक बार फिर उनके अचानक डांस पर प्रतिक्रिया दी। एक प्रशंसक ने लिखा कि हेमंत कुमार और शकील बदुयानी साहब ने कभी सोचा नहीं होगा के इस तरह से ये गाना संजोएगा। एक फुल लेंथ डांस नंबर, दूसरे ने पूछा ?कि गाना कब रिलीज़ हो रहा है? एक फैन ने उनके बाल्ड लुक पर कमेंट करते हुए लिखा, जवान में आपका पसंदीदा लुक। बहुत बढ़ाया है।

फिल्म रिलीज से पहले जेनेलिया ने बताया एक्टिंग का राज

अपनी फिल्म रिलीज से पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस जेनेलिया देशमुख ने कहा है कि उन्होंने एक्टिंग को नहीं चुना बल्कि एक्टिंग ने उन्हें चुना है। बता दें कि साल 2008 की फिल्म जाने तू या जाने ना में उनके आइकोनिक किरदार के कारण कई लोग जेनेलिया को प्यार से म्याऊ कहते हैं। अपने दो दशक लंबे करियर में जेनेलिया ने न केवल बॉलीवुड बल्कि मराठी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ सहित कई अन्य भाषाओं की फिल्मों में काम किया है। सिनेमा की दुनिया में अपनी यात्रा को याद करते हुए, 35 वर्षीय एक्ट्रेस ने कहा कि बाद में उन्हें एक्टिंग से प्यार हो गया। जेनेलिया ने बताया कि मुझे लगता है कि मेरी यात्रा अद्भुत रही है, क्योंकि एक्टिंग वह करियर नहीं था, जिसे मैंने चुना था। बल्कि, इसने मुझे चुना था। बाद में मुझे इससे प्यार हो गया। उन्होंने आगे कहा कि मुझे कई लोगों के साथ काम करने का अवसर मिला, जिसके चलते मुझे महसूस हुआ कि मेरी कला में शानदार बदलाव आया है और मैं आगे बढ़ रही हूं।

जेनेलिया की आगामी फिल्म ट्रायल पीरियड की रिलीज के लिए तैयार हैं। उन्हें आखिरी बार स्क्रीन पर हिंदी फिल्म मिस्टर मम्मी और वेद में देखा गया था, जो 2022 में रिलीज हुई थी। इससे पहले, वह 2016 की फिल्म फोर्स 2 में थीं। एक्टिंग के सवाल पर एक्ट्रेस ने कहा कि शुरुआत में, जब मैंने फिल्में की, तो मुझे पूरे साल का प्लान बनाना पसंद था। लेकिन अब, मुझे लगता है कि जब मैं एक फिल्म करती हूं, तो इसका मतलब है कि बच्चों से समय निकालना, कई फिल्में करने के अलावा और भी बहुत कुछ देना। मैं कम ही प्रोजेक्ट चुनना पसंद करती हूं। मैं और भी बहुत कुछ करना चाहती हूं, लेकिन अगर इंतजार करने में इतना समय लगता है तो मुझे इंतजार करने में भी खुशी होगी। जेनेलिया का कहना है कि मुझे विश्वास है कि मैं पिछले 10 साल की तुलना में अब बहुत अधिक काम करूंगी। उनकी अपकमिंग फिल्म ट्रायल पीरियड एक फैमिली ड्रामा है, जो जेनेलिया द्वारा अभिनीत एकल मां एना की यात्रा पर बेस्ड है, जिसकी दुनिया तब उलट जाती है जब उसका बेटा 30 दिनों के ट्रायल पीरियड के लिए पिता की डिमांड करता है।

रणबीर कपूर आलिया के साथ नहीं खेलना चाहते हैं फुटबॉल

बॉलीवुड के एक्टर रणबीर कपूर ने अपनी पत्नी और एक्ट्रेस आलिया भट्ट को कॉम्पिटेटिव बताया। उन्होंने कहा कि वह उनके साथ फुटबॉल खेलने से बचेंगे। मुंबई सिटी एफसी जर्सी लॉन्च के दौरान, रणबीर ने खुलासा किया कि वह जिस कॉम्पिटिटर के खिलाफ कभी नहीं खेलेंगे वह कोई और नहीं बल्कि उनकी पत्नी आलिया हैं। यह पूछे जाने पर कि वह कौन सी खिलाड़ी है जिसके साथ वह कभी नहीं खेलेंगे, उन्होंने कहा, वह कॉम्पिटेटिव है और अगर मैंने उसे हरा दिया, तो मुझे पता है कि मैं इसके बारे में लंबे समय तक सुनता रहूंगा और वह नाराज हो जाएगी। इसलिए मुझे लगता है कि मैं उसके साथ खेलने से बचूंगा। इसके बाद लैंगर ने सुझाव दिया कि अगर आलिया जीतती है तो वह उनसे बेहतर जश्न मनाएगी। जिस पर उन्होंने जवाब दिया, बिल्कुल। तो, मैं दोनों तरह से खराब हूं। फुटबॉल के प्रति अपने प्यार के बारे में बात करते हुए, रणबीर ने कहा कि यह मुझे स्कूल की याद दिलाता है जब मैं चौथी या पांचवीं क्लास में था। मैंने जो कुछ भी किया, पढ़ाई में, नाटक में, मैं औसत से काफी नीचे था। रणवीर ने कहा कि लेकिन जब मैं स्कूल फुटबॉल टीम में शामिल हुआ, तो मुझे लगता है कि यहीं से मुझे अपने लिए एक पहचान, एक व्यक्तित्व मिला।

फिर सुर्खियों में आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे का रिश्ता

बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर इन दिनों अभिनेत्री अनन्या पांडे के साथ अपने रिश्ते को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। दोनों ने अभी तक अपने रिश्ते में होने की पुष्टि नहीं की है, लेकिन बीते दिन के बाद लग रहा है कि आदित्य और अनन्या अब जल्द ही अपने रिश्ते को आधिकारिक तौर पर स्वीकार करने वाले हैं।

दरअसल, बीते दिन दोनों कलाकार एक दूसरे के साथ स्पॉट हुए। दोनों को कार में बैठे हुए पैपराजी ने स्पॉट किया। जहाँ मीडिया देखकर आदित्य मुस्कुराते नजर आएं। वहीं, अनन्या अपने चेहरे को हाथों से ढकती दिखाई दी। दोनों लव बर्ड्स की तस्वीरें सोशल मीडिया छायी हुई हैं। यूजर्स इन पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं। आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे हाल ही में यूरोप से छुट्टियां मना कर वापस मुंबई लौटे हैं। यूरोप ट्रिप से दोनों की कई रोमांटिक तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। तस्वीरों में, अनन्या और आदित्य एक दूसरे के साथ रोड पर साइकिल चलाते नजर आए। इसके अलावा दोनों एक दूसरे को बाहों में भरे भी दिखाई दिए। कैफे में एक-दूसरे की आँखों में खोए हुए भी दोनों की तस्वीरें वायरल हुई थी। दोनों लव बर्ड्स की यूरोप ट्रिप टॉक ऑफ द टाउन थी।

सुंबुल तौकीर खान के हाथ लगा सोनी टीवी का नया शो, कटेगा टीना दत्ता का पत्ता

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस सुंबुल तौकीर खान इन दिनों खूब चर्चा में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस के हाथ सोनी टीवी का शो लगा है, जिसमें वह बतौर काव्या नजर आएंगी। उनका यह शो टीना दत्ता के 'हम' का भी पत्ता काट सकता है। रेखा की निजी जिंदगी हमेशा सवालों के घेरे में रही है। सुपरस्टार अमिताभ बच्चन के साथ उनके कथित प्रेम संबंध की आज भी खूब चर्चा होती है। इन सबके बीच अब रेखा की बायोग्राफी ने कुछ चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं। रेखा की निजी जिंदगी अक्सर विवादों में रही है। खासकर उनकी लव लाइफ। लेकिन कई लोग नहीं जानते होंगे कि रेखा का अपनी महिला सेक्रेटरी फरजाना के साथ भी रहस्यमय रिश्ता है।

अजूनी के सेट पर किया तेंदुए ने हमला

शो अजूनी के सेट पर एक्टर शोएब इब्राहिम पर एक तेंदुए ने हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले से करीब 300 लोगों की जान संकट में आ गई। तेंदुए के सेट पर हमले से वहां अफरा-तफरी मच गई।

इस बात की जानकारी ऑल इंडिया सिने वर्कर एसोसिएशन ने एक ट्वीट के जरिए दी है। ऑल इंडिया सिने वर्कर एसोसिएशन ने एक वीडियो शेयर कर लिखा, मुंबई के फिल्म सिटी में अजूनी सीरियल के सेट पर तेंदुए ने आज हमला कर दिया। वीडियो में देखा जा सकता है कि तेंदुआ बेखौफ होकर सेट पर इधर से उधर घूम रहा है। इतना ही नहीं, तेंदुए ने एक कुत्ता पर हमला करके उसे मार दिया। सिने वर्कर्स के अध्यक्ष श्यामलाल गुप्ता ने भी एक वीडियो में इस पूरी घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया, आज गोरेगांव फिल्म सिटी मुंबई में, अजूनी सीरियल की शूटिंग चल रही थी। सुबह 9.45 मिनट पर एक तेंदुए ने सेट पर हमला किया, उस दौरान सेट पर करीबन 300 से अधिक मजदूर और कलाकार मौजूद थे, सभी की जान खतरे में थी। सभी की जान बाल-बाल बच गई लेकिन तेंदुए ने कुत्ते को मार दिया।बता दें कि पिछले कुछ दिनों से जीव-जंतूओं की टीवी सेट पर दस्तक देने की खबरें लोगों को खूब चौका रही हैं।

फिल्म बवाल को लेकर सुर्खियों में जान्हवी कपूर

बालीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर अपकमिंग फिल्म बवाल को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म 21 जुलाई को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। ऐसे में जान्हवी और वरुण फिल्म के प्रमोशन में जोरो-शोरों से जुटे हुए हैं।इस फिल्म में एक्ट्रेस पहली बार वरुण धवन के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। वहीं दोनों स्टार्स की केमिस्ट्री देखने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।हाल ही में जान्हवी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरों के साथ एक वीडियो शेयर किया है, जो इंटरनेट पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है। इस वीडियो में श्री देवी की लाडली का बेहद हॉट अंदाज देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस को सिल्वर मरमेटड ऑफ शोल्डर गाउन में देखकर लोगों के होश उड़ गए हैं। इस गाउन में जान्हवी के सेक्सी पोजी फैंस को मदहोश बना रहे हैं।जान्हवी के इस वीडियो को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और जमकर रिएक्ट भी कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा जान्हवी आपका ये लुक एकदम बवाल लग रहा है। एक दूसरे यूजर ने लिखा अगर आज श्रीदेवी होती तो आपको देखकर काफी खुश होती।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011